पाक्षिक

क्रांतिरथ छत्तीसगढ़

सामाजिक क्रांति के पथ पर अग्रसर

तीजा मे लोकल ट्रेन बंद रखने पर रेल्वे के खिलाफ, जारी आक्रोश

दादा ने शुरू किया था, पोता संभाल रहा जिम्मेदारी गणेश समिति की 40 सालों की अनूठी मिसाल

◆ वर्ष - 23 ◆ अंक - 06 ◆ रायपुर 20 सितंबर 2026 ◆ पृष्ठ - 08 ◆ मूल्य-5/- रुपया

सार समाचार

दिल्ली हाईकोर्ट ने DUSU चुनाव हिंसा पर नाराजगी जताई

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने गुरुवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्र संघ चुनावों के दौरान हो रही हिंसा पर नाराजगी जताई। कोर्ट ने कहा- लोकतंत्र को अपराधियों का समाज नहीं बनाया जा सकता।अदालत ने इस मामले में डीयू प्रशासन, दिल्ली पुलिस और सरकार से कल तक रिपोर्ट मांगी है।कोर्ट ने यह चेतावनी भी दी है कि अगर उठाए गए कदमों से वह संतुष्ट नहीं हुआ, तो वोटों की गिनती और नतीजों के ऐलान पर रोक लगा दी जाएगी। कोर्ट ने ये टिप्पणी DUSU चुनाव प्रचार के दौरान हुई हिंसा और गुंडागर्दी से जुड़ी जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान की।दिल्ली यूनिवर्सिटी छात्रसंघ (DUSU) चुनाव से पहले बुधवार रात नॉर्थ कैंपस में छात्रों के दो गुटों के बीच झड़प हुई थी। ABVP और NSUI ने एक-दूसरे से जुड़े लोगों पर अलग-अलग जगहों पर हमला करने के आरोप लगाए।

केरलम बाल अधिकार आयोग बोला-लंबे बालों पर भेदभाव न करें

तिरुवनंतपुरम. केरलम राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने स्कूलों को निर्देश दिया है कि बालों की लंबाई के आधार पर बच्चों से भेदभाव न करें।आयोग ने कहा कि लड़के और किसी खास जेंडर की पहचान नहीं रखने वाले बच्चे अपनी पसंद के अनुसार बाल बढ़ा सकते हैं। स्कूल उन्हें इसके लिए सजा नहीं दे सकते। यह आदेश 17 सितंबर को जारी किया गया जिसमें कहा गया कि बच्चे अपनी पसंद के कपड़े भी पहन सकते हैं। आयोग ने कहा कि स्कूल प्रबंधन लड़कों या ट्रांसजेंडर बच्चों को बालों की लंबाई के कारण मानसिक रूप से परेशान नहीं कर सकते।

उधमपुर में 2 आतंकियों का एनकाउंटर

श्रीनगर. जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में बुधवार रात सुरक्षाबलों ने दो आतंकियों को मार गिराया। सुरक्षाबलों ने सर्च ऑपरेशन शुरू कर यह कार्रवाई की। जिले के मजालता इलाके में आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिली थी। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने ट्वीट कर बताया कि मारे गए दोनों आतंकी पाकिस्तानी हैं। इनकी पहचान सद्दाम और मुस्तफा के रूप में हुई है। ये आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े थे। उनके पास से एक एके असॉल्ट राइफल, (4 मैगजीन के साथ), एम4 कार्बाइन (3 मैगजीन के साथ), एक ग्लॉक पिस्टल (2 मैगजीन के साथ) और 4 ग्रेनेड बरामद किए गए हैं।जम्मू-कश्मीर में इस साल अब तक 15 आतंकी घटनाएं हुई हैं।

हिमाचल-उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी

भोपाल। देश के कई राज्यों में मानसून सक्रिय है। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश समेत छह राज्यों में गुरुवार को बारिश का अलर्ट है। हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में सीजन की पहली बर्फबारी हुई। हिमाचल में गुरुवार सुबह रोहतांग, भरमौर और मनाली के पहाड़ों पर एक से डेढ़ इंच बर्फ गिरी। इन क्षेत्रों में 15 अक्टूबर के आसपास हिमपात होता है, लेकिन इस बार करीब एक महीना पहले बर्फ देखने को मिली है।

जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ने का सबसे सशक्त माध्यम है शिक्षा- मुख्यमंत्री

रायपुर। शिक्षा व्यक्ति, समाज और राष्ट्र की प्रगति का आधार है। जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए शिक्षा आवश्यक है और इस पूरी प्रि या में शिक्षक की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। शिक्षक बच्चों को केवल किताबी ज्ञान नहीं देते, बल्कि उनके व्यक्तित्व को गढ़ते हैं, उन्हें संस्कार और सही दिशा देते हैं तथा उनके माध्यम से समाज एवं राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव तैयार करते हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज बेमेतरा के बेसिक स्कूल मैदान में आयोजित जिला स्तरीय शिक्षक सम्मान एवं प्रतिभावान विद्यार्थी सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री साय ने समारोह में जिले के 81 सेवानिवृत्त शिक्षकों को शॉल, श्रीफल, स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर बोर्ड एवं महाविद्यालयीन परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले जिले के 42 मेधावी छात्र-छात्राओं को भी विभिन्न सामाजिक संस्थाओं की ओर से गोल्ड मेडल एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री ने सम्मानित शिक्षकों और विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमारे देश में गुरु के सम्मान की गौरवशाली परंपरा रही है। शिक्षक अपने ज्ञान, अनुभव और संस्कारों से पीढ़ियों का निर्माण करते हैं। एक शिक्षक द्वारा दी गई शिक्षा का प्रभाव केवल एक विद्यार्थी तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसके परिवार, समाज और आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचता है। इसीलिए शिक्षक को राष्ट्र निर्माता कहा गया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि शिक्षा ज्ञान का वह प्रकाश है, जो अज्ञानता के अंधकार को दूर करता है। शिक्षा व्यक्ति को अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक बनाने के साथ उसमें आत्मविश्वास और निर्णय लेने की क्षमता विकसित करती है। शिक्षित और संस्कारित नागरिक ही सशक्त समाज तथा विकसित राष्ट्र का निर्माण करते हैं। उन्होंने कहा कि भारत प्राचीन काल से ज्ञान और

मुख्यमंत्री साय ने बेमेतरा शहर में गौरव पथ निर्माण के लिए 2 करोड़ रुपए और ग्राम तिवरिया में नवीन विद्युत सब-स्टेशन निर्माण की घोषणा की

शिक्षा की भूमि रहा है। तक्षशिला और नालंदा जैसे विश्व प्रसिद्ध शिक्षा केंद्रों में दुनिया के विभिन्न हिस्सों से विद्यार्थी ज्ञान अर्जित करने आते थे। हमारी यह समृद्ध ज्ञान परंपरा आज भी हमें प्रेरणा देती है। बदलते समय और नई तकनीकों के दौर में शिक्षा के स्वरूप में भी तेजी से बदलाव आ रहा है। ऐसे में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण और आधुनिक शिक्षा उपलब्ध कराने के साथ उन्हें भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करना जरूरी है। हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और समान अवसर देना हमारा संकल्प मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा के क्षेत्र में अधोसंरचना और आधुनिक सुविधाओं के विस्तार के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर विशेष ध्यान दे रही है। हमारा प्रयास है कि छत्तीसगढ़ का कोई भी बच्चा संसाधनों या अवसरों के अभाव में पीछे न रहे। गांव हो या शहर, गरीब हो या संपन्न परिवार - हर बच्चे को अपनी प्रतिभा निखारने, अच्छी शिक्षा प्राप्त करने और अपने सपनों को साकार करने के समान अवसर मिलें।

सेवा और राष्ट्र निर्माण को समर्पित प्रधानमंत्री के 25 वर्षों की यात्रा हमारे लिए प्रेरणा : सीएम

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर अपने निवास पर 'आशीर्वाद का दीया' प्रज्वलित कर उनके स्वस्थ, सुदीर्घ और यशस्वी जीवन की मंगलकामना की। मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्रसेवा और जनकल्याण के प्रति समर्पण को स्मरण करते हुए अपनी शुभकामनाएं व्यक्त कीं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष राष्ट्र और जनसेवा को समर्पित किए हैं। गरीब कल्याण से लेकर सुशासन, अंत्योदय से लेकर आत्मनिर्भर भारत और विरासत के सम्मान से लेकर आधुनिक भारत के निर्माण तक उनकी यह यात्रा देशवासियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के जन्मदिवस पर छत्तीसगढ़ सहित देशभर में सेवा और जनभागीदारी का भाव दिखाई दे रहा है। 'आशीर्वाद का दीया' इसी आत्मीय भावना की अभिव्यक्ति है। यह छोटा-सा

दीप प्रधानमंत्री जी के प्रति प्रदेशवासियों के स्नेह, विश्वास और शुभकामनाओं का प्रतीक है।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ विकसित भारत के निर्माण में अपनी भूमिका पूरी प्रतिबद्धता के साथ निभा रहा है। हमारा संकल्प है कि विकास की रोशनी प्रदेश के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और गांव, गरीब, किसान, महिला, युवा तथा जनजातीय समाज की आकांक्षाएं विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की शक्ति बनें।

भारत दुनिया को समाधान दे रहा है- पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को विज्ञान भवन में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल द्वारा आयोजित 'पर्यावरण और जलवायु गतिशीलता का भविष्य' विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया. बता दें, नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल दो दिवसीय 19 और 20 सितंबर को कॉन्फ्रेंस आयोजित कर रहा है. कार्यक्रम के पहले दिन उद्घाटन सत्र में भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत, केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव, अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी और NGT के चेयरपर्सन जस्टिस प्रकाश श्रीवास्तव भी शामिल हुए.कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि सदियों से भारत ने प्रकृति और पर्यावरण से जुड़े मामलों में दुनिया का मार्गदर्शन किया है. इसी वैचारिक प्रतिबद्धता और अपने सांस्कृतिक अनुभवों के आधार पर, भारत अब जलवायु से जुड़ी आधुनिक चुनौतियों का समाधान पेश कर रहा है और साथ ही सामूहिक वैश्विक कार्रवाई का आह्वान भी

कर रहा है. मुझे खुशी है कि NGT का यह सम्मेलन उसी मिशन को आगे बढ़ा रहा है. उन्होंने आगे कहा कि हम सभी जानते हैं कि कार्बन उत्सर्जन की ज़िम्मेदारी अक्सर गलत तरीके से विकासशील देशों पर डाली जाती रही है. ग्लोबल साउथ से मेरे कई साथी यहां मौजूद हैं. फिर भी, ऐतिहासिक सच्चाई यह है कि आज भी भारत का प्रति व्यक्ति कार्बन उत्सर्जन वैश्विक औसत से आधे से भी कम है. प्रधानमंत्री ने कहा कि हमने दुनिया के सामने अपनी परंपराओं और उनकी असली ताकत को पेश किया है. इसी सोच के साथ हमने पेरिस में COP 21 समिट के दौरान 'कन्वीनिएंट एक्शन कंटिन्यूटी फॉर चेंज' किताब लॉन्च की थी।

झीरम घाटी में नक्सली हमले के 10 दोषियों को मृत्युदंड

जगदलपुर। 2013 में झीरम घाटी में कांग्रेस नेताओं समेत 29 लोगों की हत्या के मामले में जगदलपुर NIA कोर्ट ने 10 दोषियों को फांसी की सजा सुनाई है।25 मई 2013 को कांग्रेस की परिवर्तन यात्रा के काफिले पर नक्सली हमला हुआ था। इसमें कांग्रेस के तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष नंदकुमार पटेल, महेंद्र कर्मा और पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ल समेत 29 लोगों की मौत हुई थी।करीब 13 साल चली सुनवाई में 101 गवाहों के बयान और दस्तावेज दर्ज किए गए। जज ने अपने फैसले में कहा है कि आदेश की पुष्टि हाईकोर्ट करेगा। 30 दिन के अंदर हाईकोर्ट में अपील कर सकते हैं। अभियोजन पक्ष ने फांसी की मांग की थी, जबकि बचाव पक्ष ने दलील में सजा कम करने की मांग की थी। 13 साल पहले बस्तर में कांग्रेस अपनी परिवर्तन यात्रा निकाल रही थी। 25 मई 2013 की शाम यह यात्रा सुकमा की ओर से लौट रही थी। काफिला जब दरभा क्षेत्र की झीरम घाटी से गुजर रहा था, तभी माओवादियों ने घात लगाकर हमला कर दिया। हमले की शुरुआत IED विस्फोट से हुई। इसके बाद सड़क पर पेड़ गिराकर रास्ता बंद किया गया और जंगल से काफिले पर गोलियां बरसाई गई। कुछ ही देर में पूरा

झीरम हमले के दोषी

प्रमिला मोडियाम, चैतू लेकाम उर्फ मुन्ना, सुमित्रा पुनेम मोडियाम,मुक्का मंडावी,कोसा कवासी, आयता मरकाम, मड़कामी देवा, जोगा मड़कामी, बंजामी सन्ना उर्फ चमरू उर्फ ड़ेंगा,महादेव नाग

इलाका गोलियों की आवाज से गूंज उठा। नक्सलियों ने नेताओं और सुरक्षाकर्मियों को अलग-अलग किया।माओवादियों का खास निशाना महेंद्र कर्मा थे। नंदकुमार पटेल, उनके बेटे दिनेश पटेल और कई अन्य लोगों की भी हत्या कर दी गई। एक ही हमले में कांग्रेस की उस समय की प्रदेश की शीर्ष नेतृत्व पंक्ति लगभग खत्म हो गई थी।

हमला खत्म करने के बाद हथियार भी लूटकर ले गए

नक्सलियों ने काफिले की गाड़ियों और मारे गए सुरक्षाकर्मियों के हथियारों को भी अपने कब्जे में लिया था। 25 सितंबर 2014 को NIA की चार्जशीट के मुताबिक हमले के बाद एक 9 एमएम पिस्टल के साथ 2 मैगजीन और 20 कारतूस, दो AK-47 राइफलें, 14 मैगजीन और 455 कारतूस और 10 हैंड ग्रेनेड और वॉकी टॉकी और अन्य डिवाइस लूटे थे।इसके साथ ही घटनास्थल से मिले विस्फोटकों की फोरेंसिक जांच में अमोनियम नाइट्रेट, PETN और अमाटोल जैसे पदार्थों का इस्तेमाल सामने आया था।

प्रधानमंत्री मोदी का स्नेह और मार्गदर्शन छत्तीसगढ़ को सदैव मिलता रहा है - मुख्यमंत्री

रायपुर / मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करते हुए लिखा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का स्नेह और मार्गदर्शन छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा को निरंतर नई ऊर्जा और दिशा देता रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के द्वारा उनके आलेख के माध्यम से छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा, विशेषकर बस्तर में आए परिवर्तन और विकसित भारत के निर्माण में प्रदेश की भूमिका को रेखांकित किए जाने के संदर्भ में आभार व्यक्त किया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स में लिखा है कि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का स्नेह और मार्गदर्शन छत्तीसगढ़ को सदैव मिलता रहा है। उनके विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए छत्तीसगढ़ पूरी प्रतिबद्धता के साथ विकास की नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर है और राष्ट्र की

विकसित भारत के संकल्प में छत्तीसगढ़ पूरी प्रतिबद्धता के साथ देता रहेगा अपना सशक्त योगदान - मुख्यमंत्री

प्रगति में अपना सशक्त योगदान देता रहेगा। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री कार्यालय ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के आलेख को साझा करते हुए छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा और विशेष रूप से बस्तर में आए परिवर्तन को रेखांकित किया है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा है कि छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा इस बात का बड़ा उदाहरण है कि आज देश की प्रगति केवल महानगरों और बड़े शहरों तक सीमित नहीं है। बस्तर में आया बड़ा बदलाव इसकी जीवंत तस्वीर है और यह बताता है कि विकास की मुख्यधारा से जुड़कर जनजातीय समाज भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने मुख्यमंत्री श्री साय के आलेख का उल्लेख करते हुए कहा कि इसमें विकसित भारत के निर्माण में छत्तीसगढ़ की महत्वपूर्ण भूमिका को विस्तार से रेखांकित किया गया है।

बिहार में जेडीयू का विरोध; शाह बोले थे- 2029 तक 21 राज्यों में यूसीसी लागू होगा

एनडीए के 3 सहयोगी दलों ने यूसीसी का समर्थन किया

नई दिल्ली। एनडीए के 3 सहयोगी दल तेलुगु देशम पार्टी, शिंदे गुट की शिवसेना और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के समर्थन की बात कही है। वहीं, बिहार में जनता दल (यूनाइटेड) ने कहा कि वह राज्य में यूसीसी लागू नहीं होने देगा। दरअसल, गृह मंत्री अमित शाह ने 13 सितंबर को कहा था कि 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले बीजेपी-एनडीए शासित 21 राज्यों में यूसीसी लागू कर दिया जाएगा। फिलहाल देश में 22 राज्यों में एनडीए की सरकार है। इनमें उत्तराखंड में जनवरी 2025 से यूसीसी लागू है। यानी बाकी 21 राज्यों में इसे लागू करने का लक्ष्य है। गुजरात, असम और मध्य प्रदेश में यूसीसी बिल पास हो चुका है। अब इन राज्यों में राष्ट्रपति की मंजूरी और अधिसूचना जारी होने का इंतजार है। महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और छत्तीसगढ़ ने यूसीसी का कानून तैयार करने के लिए समितियां गठित की हैं। लोकसभा में टीडीपी नेता लावू कृष्ण देवरायुलु ने कहा कि पार्टी यूसीसी का समर्थन करेगी। उन्होंने कहा कि इसे लागू करने से पहले सभी संबंधित पक्षों से बातचीत की जाएगी। फिलहाल इस मुद्दे पर कोई चर्चा नहीं हुई है। टीडीपी और JDU पहले यूसीसी से जुड़े कानून का विरोध कर चुके हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद टीडीपी के एनडीए में शामिल होने से पहले चंद्रबाबू नायडू ने कहा था कि यूसीसी के मुद्दे पर पार्टी मुस्लिम समुदाय के साथ खड़ी रहेगी। JDU नेता श्याम रजक ने कहा कि पार्टी राष्ट्रीय स्तर पर यूसीसी का समर्थन करती है, लेकिन बिहार में इसे लागू

नहीं होने देगी। उन्होंने कहा कि JDU अपने इस रुख पर कायम है। इसको लेकर JDU नेता संजय झा अमित शाह से मुलाकात करेंगे। वहीं, बंगाल भाजपा अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य ने कहा कि राज्य में यूसीसी लागू करने की प्रि या जल्द शुरू होगी। हालांकि, भाजपा की सहयोगी NCPI ने अभी इस पर फैसला नहीं लिया है और प्रस्ताव आने के बाद चर्चा करने की बात कही है। शिवसेना नेता श्रीकांत शिंदे ने यूसीसी को समानता, न्याय और राष्ट्रीय एकता से जुड़ा बताया और इसका समर्थन किया। हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) (HAM) के अध्यक्ष संतोष कुमार सुमन ने भी अमित शाह के बयान का स्वागत करते हुए यूसीसी को समर्थन दिया। जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को कहा कि अगर भाजपा के पास संसद में यूसीसी बिल पास कराने के लिए पर्याप्त संख्या है तो उसे वहीं बिल पेश करना चाहिए। इसे अलग-अलग राज्यों के जरिए लागू करने की कोशिश क्यों की जा रही है। एनडीए में सभी दल इस मुद्दे पर सहमत नहीं हैं।

विष्णु देव साय समेत कई सीएम ने पीएम को दी जन्मदिन की बधाई

रायपुर , नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 76वें जन्मदिन के अवसर पर देशभर से उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी जा रही हैं। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री साय, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, पश्चिम बंगाल के सीएम सुवेंदु अधिकारी और ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी समेत कई ताओं ने पीएम मोदी को जन्मदिन की बधाई दी। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने एक्स पर पोस्ट किया, "भारत के जन-जन के कल्याण और राष्ट्रसेवा के लिए समर्पित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। सार्वजनिक जीवन में 25 वर्षों की आपकी यात्रा सेवा, समर्पण और राष्ट्र के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रेरक अध्याय है। आपके नेतृत्व में भारत ने

विकास की नई ऊंचाइयों को स्पर्श किया है और करोड़ों नागरिकों के जीवन में आशा, अवसर और आत्मविश्वास का विस्तार हुआ है। जन्मदिवस के इस विशेष अवसर पर प्रभु श्रीराम से प्रार्थना है कि वे आपको उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं निरंतर ऊर्जा प्रदान करें और आपके नेतृत्व में मां भारती की सेवा और राष्ट्र निर्माण का यह संकल्प अनवरत आगे बढ़ता रहे।

संक्षिप्त समाचार

हिंदी दिवस पर काव्य गोष्ठी एवं सम्मान समारोह संपन्न

भाटापारा। नगर की साहित्यिक संस्था अभिव्यक्ति के तत्वावधान में हिंदी दिवस के अवसर पर साहित्य गोष्ठी एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। उक्त अवसर पर पेंशनधारी कल्याण संघ भवन में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार बलदेव भारती, अध्यक्ष- रघुनाथ प्रसाद पटेल एवं विशेष अतिथि- अनुपम कुमार सिंह थे। कार्यक्रम में राज्य शिक्षक सम्मान से सम्मानित होने वाले मनीराम साहू , जगदीश हीरा साहू, श्रीमती इंद्राणी साहू और कन्हैया साहू का शाल श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह ज़ेंट करके सम्मान किया गया। मुख्य अतिथि बलदेव भारती ने कहा कि हम दुनिया की कोई भी भाषा सीख ले लेकिन हमारी सर्वोत्तम अभिव्यक्ति मातृभाषा हिंदी में ही होगी। कार्यक्रम अध्यक्ष रघुनाथ प्रसाद पटेल ने कहा कि उच्च शिक्षा के लिए अंग्रेजी आवश्यक है लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि हम हिन्दी का प्रयोग करना ही भूल जायें। इस अवसर पर विशेष अतिथि-अनुपम कुमार सिंह ने हिन्दी में सरस काव्य पाठ किया। कार्यक्रम में डॉ सीमा अवस्थी, श्रीमती स्वर्णलता त्रिवेदी, श्रीमती निवेदिता वर्मा, हेतराम कुर्रे, राज गुप्ता ने हिंदी पर अपनी अपनी रचनाएं प्रस्तुत की। गिरधारी लाल वर्मा एवं कृष्ण कुमार वर्मा सहित अन्य उपस्थित साहित्यकारों ने मातृभाषा हिंदी को राष्ट्रभाषा का दर्जा दिलाने हेतु केंद्र सरकार से अपील की। विदित हो कि आज पर्यंत हिंदी हिंदुस्तान की राष्ट्रभाषा नहीं है। कार्यक्रम का संचालन अजय साहू अमृतांशु ने एवं आभार प्रदर्शन डॉ सीमा अवस्थी ने किया।

सतनामी समाज की बहुप्रतीक्षित रंगमंच निर्माण का भूमिपूजन किये विधायक इन्द्र साव

भाटापारा। विधायक इन्द्र साव ने ग्राम कुम्हरखान में सतनामी समाज की बहुप्रतीक्षित मांग को पूरा करते हुए रंगमंच निर्माण कार्य का विधि-विधान से भूमिपूजन किया। उक्त अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए विधायक इन्द्र साव ने कहा कि समाज के सामाजिक और सांस्कृतिक विकास के लिए बुनियादी सुविधाओं का होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस रंगमंच के निर्माण से समाज को आने वाले समय में जयंती, सामाजिक बैठकों, सांस्कृतिक आयोजनों और अन्य महत्वपूर्ण कार्य₹ मों को सुचारू रूप से संपन्न करने में बड़ी सुविधा होगी। विधायक इन्द्र साव ने अपने उद्बोधन में सामाजिक एकजुटता पर विशेष बल देते हुए कहा, रंगमंच केवल एक भवन नहीं, बल्कि समाज को एक सूत्र में पिरोने और मजबूत करने का माध्यम बनेगा। सभी को मिलकर समाज को प्रगति के पथ पर आगे ले जाना है और आपसी भाईचारे को सुदृढ़ करना है। कार्य₹ म में सतनामी समाज के प्रमुख पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

कुम्हारी में गुटखा फैक्ट्री पर CGST की छापेमारी

दो मशीनें और 30 बोरा गुटखा जब्त, टीम जांच के लिए सामान लेकर रायपुर रवाना

दुर्ग । कुम्हारी के स्टेशन चौक इलाके में रविवार को सेंट्रल जीएसटी इंटेलिजेंस की टीम ने एक गोदाम में छापेमारी की। यहां सितार कंपनी का गुटखा तैयार किए जाने की सूचना पर पहुंची टीम ने जांच के दौरान गुटखा बनाने वाली दो मशीनें और करीब 30 बोरा तैयार गुटखा जब्त किया। जानकारी के मुताबिक, करीब 10 से 12 अधिकारियों की टीम तीन वाहनों से मौके पर पहुंची और गोदाम में रखी मशीनों, तैयार गुटखे और अन्य सामान की जांच की। टीम ने वहां मौजूद दस्तावेजों को भी खंगाला। अधिकारियों की जांच इस बात पर केंद्रित है कि गुटखा निर्माण और बि₹ ी से जुड़े कारोबार में जीएसटी सहित अन्य कर नियमों का पालन किया जा रहा था या नहीं। शुरुआती जानकारी के अनुसार जब्त सामग्री की कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है। हालांकि, इसकी वास्तविक कीमत और टैक्स से जुड़ी जानकारी जांच पूरी होने के बाद स्पष्ट होगी।

बताया जा रहा है कि गोदाम सुरेश गुप्ता का है। कार्रवाई के बाद टीम जब्त मशीनों और गुटखे को लेकर रायपुर रवाना हो गई। फिलहाल सेंट्रल जीएसटी की ओर से कार्रवाई को लेकर आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

माता भद्रकाली मंदिर परिसर 11,101 दीयों की रोशनी से जगमगाया

प्रधानमंत्री के चिरायु, दीर्घायु, शतायु जीवन की हुई कामना

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

बेमेतरा। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्म उत्सव के पावन अवसर पर आज बेमेतरा जिला दीपों की दिव्य आभा से जगमगा उठा। जिला मुख्यालय स्थित माता भद्रकाली मंदिर परिसर में 11,101 दीयों को प्रज्ज्वलित कर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के चिरायु, दीर्घायु एवं शतायु जीवन की कामना की गई।

जिला स्तरीय मुख्य कार्य₹ म आशीर्वाद का दिया का शुभारंभ प्रदेश के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री माननीय श्री दयाल दास बघेल जी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर मंदिर में पूजा अर्चना कर प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के यशस्वी जीवन की कामना की गई। मंदिर परिसर में हजारों दीयों की आकर्षक रंगोली और जय श्री राम के उद्घोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

मंत्री श्री बघेल ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने अपने सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष राष्ट्र सेवा में समर्पित किए हैं। उन्होंने 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए निरंतर कार्य किया है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में गरीब कल्याण योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन - नल जल योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत जैसी अनेक महत्वाकांक्षी योजनाओं से देश के अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचा है और देश का मान वैश्विक पटल पर बढ़ा है। आज पूरा भारत विकसित राष्ट्र बनने की ओर तेजी से अग्रसर है, जिसका श्रेय प्रधानमंत्री जी की दूरदर्शी सोच को जाता है।

मंत्री श्री दयालदास बघेल ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया आशीर्वाद का दिया कार्यक्रम का शुभारंभ, जिले में 6 लाख से अधिक दीपों से मना मोदी जी का जन्म उत्सव

मंत्री जी ने कहा कि आज का यह आशीर्वाद का दिया केवल एक दीप नहीं, बल्कि 140 करोड़ देशवासियों की ओर से प्रधानमंत्री जी के प्रति कृतज्ञता और सम्मान का प्रतीक है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का संकल्प के साथ देश सेवा का 25 वर्ष पूर्ण हो रहा है : विधायक श्री दीपेश साहू

इस अवसर पर विधायक श्री दीपेश साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने यशस्वी जीवन की कामना करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का संकल्प के साथ देश सेवा का 25 वर्ष पूर्ण हो रहा है, यह देश के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर आज जिले में स्वच्छता कार्य₹ म ,वृक्षारोपण कार्य₹ म ,रक्तदान जैसे कार्य₹ म आयोजित किया गया है।

उल्लेखनीय है कि जिले में आज कुल 6 लाख 30 हजार 877 से अधिक आशीर्वाद के दीये प्रज्ज्वलित किए गए।

प्रमुख आकर्षण

- नगर पालिका के सभी चौक-चौराहों में 51 हजार दीये प्रज्ज्वलित किया गया
- सभी नगरीय निकायों, स्कूलों एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों में 73 हजार दीये जलाये गये।
- प्रत्येक ग्राम पंचायत में 521 दीयों के साथ कुल 2.25 लाख दीये प्रज्ज्वलित किया गया।
- 27 चिन्हांकित गांवों में 100 प्रतिशत घरों में दीया जलाया गया।
- अमृत सरोवरों, हॉफ और शिवनाथ नदी के एनीकटों, राशन दुकानों, शासकीय कार्यालयों, पीएम आवास एवं लखपति दीदी के घरों में दीप प्रज्ज्वलन किया गया।

विकासखंड मुख्यालयों बेमेतरा के जोंग में 11 हजार, बेरला के संडी मंदिर, साजा के बिरनपुर शक्ति मंदिर एवं नवागढ़ के मावली मंदिर में 21-21 हजार दीयों का भव्य प्रज्ज्वलन हुआ।

लखपति दीदी ग्राम माटरा में थीम आधारित ड्रोन शॉट और अंधियारखोर-जेवरा में हॉफ नदी धार अपार थीम पर ड्रोन वीडियोग्राफी कार्य₹ म का विशेष आकर्षण रही।

इस अवसर पर राजककार विकास बोर्ड के अध्यक्ष श्री प्रहलाद रजक, नगर पालिका अध्यक्ष श्री विजय सिंहा, कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं, जिला पंचायत सीईओ सुश्री प्रेमलता पद्माकर, वरिष्ठ जनप्रतिनिधि अजय साहू, अन्य जनप्रतिनिधि सहित अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित रहे।

भाटापारा में भाजपा का सेवा संकल्प अभियान प्रधानमंत्री मोदी के 25 साल की जनसेवा को समर्पित

17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलाया जायेगा सेवा अभियान

भाटापारा। भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जनसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आगामी 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक चलने वाले विशेष सेवा संकल्प अभियान को लेकर भाजपा कार्यालय में प्रेसवार्ता आयोजित की गई। प्रेसवार्ता में प्रदेश मंत्री अमित साहू, वरिष्ठ नेता शिवरतन शर्मा सहित आनंद यादव, राकेश तिवारी, सुनील यदु, नंदकिशोर अग्रवाल के अलावा अन्य लोग मौजुद थे। उपरोक्त अवसर पर प्रदेश मंत्री अमित साहू ने कहा कि इस बार 7 अक्टूबर को प्रधानमंत्री मोदी संवैधानिक प्रमुख के रूप में मुख्यमंत्री व प्रधानमंत्री के तौर पर जनसेवा के 25 वर्ष पूर्ण कर रहे हैं। इसलिए इस बार सेवा पखवाड़ा नहीं, बल्कि एक महीने का सेवा संकल्प अभियान मनाया जाएगा। इस अभियान का उद्देश्य प्रधानमंत्री की 25 वर्षों की सेवा, सुशासन और जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाना और विकसित भारत 2047 के संकल्प को मजबूत करना है। अमित साहू ने कहा कि एक समय था जब देश में जाति और वर्ग में बांटने की बात होती थी, लेकिन प्रधानमंत्री ने गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी को सामने रखकर योजनाएं बनाईं। 25 करोड़ गरीब परिवारों को गरीबी रेखा से बाहर लाना, 80 करोड़ लोगों को राशन, 12 करोड़ शौचालय, 4 करोड़ आवास, 200 करोड़ कोविड टीके और 100 करोड़ लोगों को सामाजिक सुरक्षा से जोड़ना उनके सुशासन का परिणाम है।

उक्त अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता शिवरतन शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की सोच को बदला है। पहले सीमाओं के गांवों को अंतिम गांव कहा जाता था, मोदी ने उन्हें पहला गांव कहा। आतंकवाद और नक्सलवाद के भय को समाप्त कर 200 से अधिक जिलों को नक्सल मुक्त कर मुख्यधारा में लाया। राम मंदिर, काशी विश्वनाथ, सोमनाथ और महाकाल कॉरिडोर से सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को नई ऊर्जा मिली। शिवरतन शर्मा ने आगे कहा कि वूमेन डेवलपमेंट से आगे बढ़कर वूमेन लेड डेवलपमेंट की बात मोदी जी ने की। बेटी बचाओ और नारी शक्ति वंदन अधिनियम तक महिलाओं को अधिकार दिया गया। युवाओं को निराशा से निकालकर स्टार्टअप के माध्यम से भारत को दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप नेशन बनाया।

शर्मा ने अभियान की जानकारी देते हुए बताया कि 17 सितंबर को रक्तदान शिविर से शुभारंभ होगा और शाम 7 बजे आशीर्वाद का दिया कार्य₹ म में हर परिवार प्रधानमंत्री मोदी को आशीर्वाद स्वरूप दीप जलाएगा। 2 अक्टूबर को स्वच्छता अभियान, मेरे सपनों का भारत पर चित्रकला, निबंध प्रतियोगिता, "नमो सेवा अनकही कहानियां, आंगन मिलन सेवा जैसे कार्यक्रम होंगे। 7 अक्टूबर को सेवा ज्योति कलश यात्रा के साथ 1000 स्थानों पर विकसित भारत 2047 का सामूहिक संकल्प लिया जाएगा। युवा मोर्चा द्वारा वडनगर से बनारस और बनारस से वडनगर तक 10 टोलियों में सेवा यात्रा निकलेगी जो 20 दिनों में 10 राज्यों से गुजरेगी। प्रत्येक टोली में 50 युवा रहेंगे जो गांवों में चौपाल, आंगनवाड़ी और किसान संवाद करेंगे।आनंद यादव ने कहा कि अभियान में जनभागीदारी सबसे बड़ी होगी। सेवा मेरा योगदान के तहत प्रत्येक व्यक्ति से देश के लिए 25 मिनट श्रमदान की अपील की जाएगी। 25 अलग-अलग थीम पर कार्यक्रम होंगे। ब्लॉक स्तर पर सेवा सेतु शिविर लगाकर वंचित लाभार्थियों को योजनाओं से जोड़ा जाएगा। सेवा के रंग, राष्ट्र के संग के तहत मानव श्रृंखला और समूह रंगोली बनाई जाएगी। सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज" में युवाओं और स्टार्टअप को जोड़ा जाएगा और सुशासन संवाद के तहत सरपंच से लेकर प्रधानमंत्री तक के जनप्रतिनिधियों को सम्मानित किया जाएगा।

शहर व ग्रामीण क्षेत्र में गणेश उत्सव को लेकर चहल - पहल का माहौल

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। नगर के विभिन्न वार्ड मोहल्लो , चौक - चौराहों सहित अन्य सार्वजनिक स्थल पर लगभग 150 छोटे - बड़े स्थानों पर गणेश उत्सव समारोह को लेकर पंडाल निर्माण व आकर्षक साज सज्जा का क्रम देर रात तक जारी है । गणेश उत्सव 14 सितंबर दिन सोमवार से प्रारंभ होकर अनंत चतुर्दशी दिन शुक्रवार 25 सितंबर तक मनाया जायेगा। गणेश उत्सव के लिए समुचे शहर के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में युवाओं की टोली सक्रिय है ग्रामीण क्षेत्र की ओर जाने वाली चारो दिशाओं की सड़क पर उत्साही ग्रामीण युवक बकायदा सड़क रोककर व सड़क में रस्सी बांधकर आने जाने वालो से गणेश उत्सव का चंदा ले रहे है। इसी तरह शहर में युवाओं की टोली गणेश चंदा लेने टोली में घुम रहे है। गणेश उत्सव का स्थापना मुहुर्त 14 सितंबर को प्रातः 11 बजकर 3 मिनट से दोपहर 1 बजकर 31 मिनट तक बताया जा रहा है। गणेश स्थापना को लेकर बाजार में भारी चहल पहल का माहौल बना हुआ है। एक ओर जहां न्यूनतम 500 रूपयें से लेकर गणेश की प्रतिमा बिक रही है। वहीं 15 से 25 हजार रूपयें तक की मूर्ति ऑर्डर पर बनाये जा रहे है। पश्चिम बंगाल , बदनारा, बेमेतरा, चंदनु, सिंगारपुर , तरेंगा, करहीबाजार, सहित अनेक दर्जन भर अन्य गांव से मूर्तिकार भाटापारा शहर में मूर्ति बनाने व बेचने कैंप किये हुए है। सार्वजनिक स्थलो पर बाजा - गाजा के साथ बड़ी मूर्तियों को ट्रैक्टर , ट्रॉली व अन्य वाहनों से लाने का क्रम देर रात तक चल रहा है । साथ ही घरो घर गणेश प्रतिमा स्थापना के लिए लोग मूर्ति बड़ी तादाद में अलग अलग स्थानों से ₹ य कर ले जा रहे है। गणेश उत्सव के कारण बाजार में पूजन सामग्री व मिठाई की दुकानों में भारी चहल पहल का माहौल है। अनेक स्थानों पर गणेश उत्सव के दौरान ही सांस्कृतिक कार्य₹ म सहित अन्य धार्मिक कार्य₹ म के आयोजन को लेकर भी आयोजक तैयारी में जुटे हुए है। कुल मिलाकर गणेश उत्सव क ो लेकर शहर व ग्रामीण क्षेत्र में एक बार फिर धार्मिक माहौल बन गया है।

प्रधानमंत्री आवास से मिला सपनों का घर, कच्चे मकान से पक्के आशियाने तक पहुंचा सुखदेव साहू का परिवार

बेमेतरा /- प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 ने जरूरतमंद परिवारों के पक्के मकान के सपने को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के अंतर्गत संचालित योजना का लाभ नगर पंचायत देवकर के वार्ड ₹ मांक 11 निवासी श्री सुखदेव साहू को मिला है। कभी छप्परयुक्त मिट्टी के कच्चे मकान में रहने वाले सुखदेव साहू का परिवार अब सुविधायुक्त पक्के मकान में सुरक्षित और बेहतर जीवन व्यतीत कर रहा है।

श्री सुखदेव साहू कृषि कार्य से जुड़े हैं। आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं थी कि वे स्वयं पक्का मकान बनवा सकें। इसी दौरान नगर पंचायत देवकर द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के संबंध में मुनादी के माध्यम से लोगों को जानकारी दी गई। योजना की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने नगर पंचायत कार्यालय पहुंचकर आवास के लिए आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी ली और सभी जरूरी दस्तावेज जमा किए। इसके बाद करीब 2 से 4 माह में उनका आवास स्वीकृत हुआ।

आवास स्वीकृत होने के बाद श्री साहू ने मकान निर्माण का कार्य प्रारंभ किया। योजना के तहत निर्माण की प्रगति और निर्धारित स्तर के अनुसार उन्हें किश्तों में राशि का भुगतान किया गया। आर्थिक सहायता मिलने से आवास निर्माण का कार्य सुचारू रूप से पूरा हो सका। अब उनका मकान पूर्ण हो चुका है और उनका परिवार सभी आवश्यक सुविधाओं से युक्त पक्के मकान में निवास कर रहा है।

पूर्व का फोटो

हितग्राही श्री सुखदेव साहू ने कहा, "मैं सुखदेव साहू, वार्ड ₹ मांक 11 देवकर का निवासी हूं। पहले मेरा छप्पर वाला कच्चा मकान था। मेरा व्यवसाय कृषि है और मेरी आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं थी कि मैं अपने लिए पक्का मकान बना सकूं। नगर पंचायत देवकर द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के संबंध में मुनादी कराई गई, जिसकी जानकारी मिलने पर मैं नगर पंचायत गया। वहां मुझे आवास के लिए आवश्यक दस्तावेजों के बारे में बताया गया। मैंने सभी दस्तावेज जमा किए। लगभग 2 से 4 माह में मेरा आवास स्वीकृत हुआ। इसके बाद मैंने मकान निर्माण प्रारंभ किया और निर्माण के निर्धारित स्तर के अनुसार मुझे किश्तों में राशि प्राप्त हुई। आज मेरा मकान पूर्ण हो चुका है और मेरा परिवार सकुशल पक्के मकान में निवास कर रहा है। इसके लिए मैं प्रधानमंत्री जी को धन्यवाद देता हूं।"

प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 के माध्यम से श्री सुखदेव साहू जैसे परिवारों को कच्चे मकान की असुविधाओं से मुक्ति मिलकर सुरक्षित, सुविधायुक्त और सम्मानजनक आवास का लाभ मिल रहा है। यह योजना उनके परिवार के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के साथ उनके "अपने पक्के घर" के सपने को साकार करने का माध्यम बनी है।

सत्ता से संघर्ष तक: ममता बनर्जी का राजनीतिक यथार्थ

भारतीय राजनीति के इतिहास में ममता बनर्जी का नाम एक ऐसी जननेता के रूप में दर्ज रहा है, जिन्होंने शून्य से उठकर जन आंदोलनों के बल पर दशकों पुरानी राजनीतिक संरचनाओं को हिला दिया। छात्र राजनीति के समय से ही उनकी पहचान एक बेबाक और निर्भीक व्यक्तित्व के रूप में रही है। ममता बनर्जी का राजनीतिक सफर एक छात्र राजनीति की साहसी नायिका से लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री बनने और वर्तमान समय में घोर राजनीतिक व कानूनी संकटों से घिरने तक की एक बड़ी दास्तान है। जो 'दीदी' कभी सड़कों पर वामपंथ के 34 साल के किले को ढहाने के लिए जानी जाती थीं, वे आज अपनी राजनीतिक यात्रा के सबसे कठिन दौर से गुजर रही हैं। वर्तमान परिस्थितियों में ममता बनर्जी पर मुश्किलों के पहाड़ टूटने के मुख्य कारण इस प्रकार हैं- पहला, ममता बनर्जी के लिए सबसे बड़ा राजनीतिक झटका 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में लगा, जहाँ उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को हार का सामना करना पड़ा और राज्य में भाजपा की सरकार बनी। खुद ममता बनर्जी को भी अपनी पारंपरिक सीट भवानीपुर से शुभेंदु अधिकारी के हाथों करारी हार झेलनी पड़ी। 15 साल तक राज्य पर राज करने के बाद सत्ता से बाहर होना उनके राजनीतिक पतन की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है। दूसरा, ममता बनर्जी की राजनीतिक ताकत हमेशा उनकी पार्टी पर उनकी मजबूत पकड़ थी। लेकिन वर्तमान में टीएमसी के भीतर एक बड़ी बगावत छिड़ गई है। कई विधायकों और सांसदों ने अभिषेक बनर्जी के बढ़ते प्रभाव और पार्टी में तानाशाही रवैये को लेकर बगावती रुख अख्तियार कर लिया है, जिससे पार्टी दो फाड़ होने की कगार पर पहुंच गई है। तीसरा, ममता बनर्जी के लिए सबसे बड़ा कानूनी और भावनात्मक झटका तब लगा जब चुनाव आयोग ने पार्टी में आंतरिक विवाद के कारण तृणमूल कांग्रेस के नाम और उनके प्रसिद्ध चुनाव चिह्न 'जोड़ा फूल' को फ्रीज (रोक लगा दी) कर दिया। आयोग ने दोनों गुटों को अस्थाई रूप से नए नाम और सिंबल दिए हैं। ममता बनर्जी ने इसे भारतीय लोकतंत्र का 'काला दिन' बताया है और इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। चौथा, सत्ता से हटते ही ममता बनर्जी के खिलाफ कानूनी शिकंजा लगातार कसता जा रहा है- चुनाव प्रचार के दौरान कथित तौर पर भड़काऊ और सांप्रदायिक बयान देने के आरोप में उनके खिलाफ कोलकाता और सिलीगुड़ी में एफआईआर दर्ज की गई हैं। अगस्त 2026 में कोलकाता में छात्र संगठन (टीएमसीपी) की रैली के दौरान कलकत्ता हाई कोर्ट के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करने और कानून व्यवस्था बिगाड़ने के आरोप में भी पुलिस ने उन पर मामला दर्ज किया है। उनकी पिछली सरकार पर एक विज्ञापन एजेंसी को रु. 635 करोड़ से अधिक का टेंडर देने में गड़बड़ी जैसे भ्रष्टाचार के नए आरोप लग रहे हैं। पांचवां, ममता बनर्जी ने हमेशा खुद को जनता की लड़ाई लड़ने वाली और महिलाओं के अधिकारों की रक्षक के रूप में पेश किया था। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में राज्य में हुए महिलाओं के खिलाफ अपराधों पर उनके विवादित बयानों और भ्रष्टाचार के मामलों (जैसे शिक्षक भर्ती घोटाला आदि) ने उनकी छवि को गंभीर नुकसान पहुंचाया। जनता में पैदा हुए इसी आक्रोश और सत्ता-विरोधी लहर ने उन्हें बैकफुट पर धकेल दिया। संघर्ष की नायिका का वर्तमान रुख, इन सब मुश्किलों के बावजूद, 17 साल की उम्र में दूध के बूथ और स्टेनोग्राफर का काम करके अपने परिवार को संभालने वाली ममता बनर्जी ने हार मानने से साफ इनकार किया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि वे राजनीतिक संन्यास नहीं लेंगी और वे इस 'गंदे खेल' के खिलाफ सड़कों पर उतरकर लड़ाई जारी रखेंगी। आगामी उपचुनावों के लिए उन्होंने रणनीति बदलते हुए कांग्रेस उम्मीदवारों को समर्थन देने की घोषणा भी की है। भारतीय राजनीति के इतिहास में ममता बनर्जी का नाम एक ऐसी जननेता के रूप में दर्ज रहा है, जिन्होंने शून्य से उठकर जन आंदोलनों के बल पर दशकों पुरानी राजनीतिक संरचनाओं को हिला दिया। छात्र राजनीति के समय से ही उनकी पहचान एक बेबाक और निर्भीक व्यक्तित्व के रूप में रही है। तीन दशकों से अधिक लंबे वामपंथी शासन को उखाड़ फेंकने वाली दीदी ने पूरे पंद्रह वर्षों तक पश्चिम बंगाल की सत्ता पर एकछत्र राज किया। परंतु समय का चक्र ऐसा घूमा है कि वही जुझारू नेत्री आज अपनी ही राजनीतिक यात्रा के सबसे कठिन दौर से गुजर रही हैं। हालिया विधानसभा चुनावों में मिली पराजय, दल के भीतर भड़की बगावत, चौतरफा वैधानिक कार्यवाहियों का शिकंजा और दल की मूल पहचान यानी नाम तथा चुनाव चिह्न का छिन जाना, इन सबने मिलकर उनके समक्ष अस्तित्व रक्षा की अभूतपूर्व चुनौती खड़ी कर दी है। हाल के विधानसभा चुनाव पश्चिम बंगाल के राजनीतिक इतिहास में एक बड़े मोड़ के रूप में सामने आए। पंद्रह वर्षों के निरंतर शासन के बाद तृणमूल कांग्रेस को जन-असंतोष और प्रचंड विरोध का सामना करना पड़ा। चुनावी नतीजों में न केवल उनकी पार्टी को करारी हार झेलनी पड़ी, बल्कि ममता बनर्जी को स्वयं अपनी पारंपरिक सीट भवानीपुर से पराजय का स्वाद चखना पड़ा। इस परिणाम ने यह सिद्ध कर दिया कि राज्य में बदलाव की लहर अत्यधिक तीव्र थी। निरंतर शासन से उपजी असंतुष्टि, विभिन्न भर्ती घोटालों के आरोप तथा स्थानीय स्तर पर उपजे जन-रोष ने मिलकर उनकी दलगत जड़ों को कमजोर कर दिया, जिससे राज्य में एक नए राजनीतिक समीकरण का उदय हुआ। किसी भी क्षेत्रीय दल की वास्तविक शक्ति उसका सुदृढ़ संगठन, शालीन भाषा, लोकतांत्रिक मर्यादा और नेतृत्व के प्रति अटूट निष्ठा होती है। तृणमूल कांग्रेस में लगभग तीन दशकों तक ममता बनर्जी ही सर्वमान्य चेहरा और अंतिम निर्णयकर्ता रहीं। किंतु चुनावी असफलता के उपरांत पार्टी के भीतर दबा हुआ असंतोष अचानक बाहर आ गया। विधायकों और सांसदों के एक बड़े धड़े ने शीर्ष नेतृत्व की कार्यशैली पर प्रश्न चिह्न खड़े कर दिए। तृणमूल कांग्रेस में आंतरिक विभाजन के बाद दोनों गुटों द्वारा अधिकार जताए जाने के कारण आयोग को कड़ा कदम उठाना पड़ा। वर्षों पूर्व जिस पहचान को उन्होंने अपने कड़े परिश्रम और संघर्ष से सींचा था, उसी से वंचित हो जाना उनके राजनीतिक जीवन का सबसे बड़ा संवैधानिक झटका माना जा रहा है।

अतिथि संपादक - ललित गर्ग

एआई क्षेत्र में नई उड़ान भरने को तैयार छत्तीसगढ़

500 करोड़ के मुख्यमंत्री एआई मिशन से संवरेगा युवाओं और तकनीक का भविष्य

धनंजय राठौर
संयुक्त संचालक, जनसंपर्क

दुनियाभर में तेजी से बढ़ रहे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) के दौर में छत्तीसगढ़ भी अब एक नई छलांग लगाने की तैयारी में है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार एआई को विकास, रोजगार और सुशासन के नए अवसरों से जोड़ने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। खेती-किसानी से लेकर स्वास्थ्य, शिक्षा और प्रशासन तक हर क्षेत्र में एआई के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए राज्य में बड़े पैमाने पर तैयारियां शुरू हो गई हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और जनसेवा के विभिन्न क्षेत्रों में एआई के प्रभावी उपयोग से रोजगार और नवाचार के नए अवसर सृजित करते हुए हम विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए पूरी तरह संकल्पित हैं।

500 करोड़ रुपये का मुख्यमंत्री एआई मिशन

भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने 500 करोड़ रुपये के मुख्यमंत्री एआई मिशन की शुरुआत की है। इस मिशन का मुख्य उद्देश्य छत्तीसगढ़ को केवल एआई तकनीक अपनाने वाला राज्य नहीं, बल्कि इसके उपयोग और नवाचार में सिरमौर बनाना है। इस मिशन के तहत प्रदेश में 100 एआई लैब और 5 सेंटर ऑफ एक्सीलेंस विकसित किए जाएंगे।

योजना के अंतर्गत लगभग 6 लाख विद्यार्थियों और डेढ़ लाख शासकीय अधिकारी- कर्मचारियों को एआई के उपयोग से जोड़ा जाएगा। साथ ही, शासन की 50 से अधिक सेवाओं को एआई के जरिए अधिक प्रभावी बनाया जाएगा। युवाओं को जॉब सीकर (नौकरी तलाशने वाला) की बजाय जॉब क्रिएटर (नौकरी पैदा करने वाला) बनाने के लिए मशीन लर्निंग और डेटा साइंस का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

कृषि, स्वास्थ्य और प्रशासन में एआई का प्रयोग

इस मिशन का दायरा केवल आईटी तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे धरातल पर आम जनता के जीवन को आसान बनाने के लिए उतारा जा रहा है। कृषि मौसम, फसल, कीट और रोगों के आंकड़ों के विश्लेषण से किसानों को समय पर सटीक सलाह मिल सकेगी। एआई आधारित तकनीक से जांच, रोग पहचान और स्वास्थ्य संसाधनों के प्रबंधन में सुधार होगा।

सुशासन एवं उद्योग

सरकारी पोर्टलों (जैसे सेवा सेतु) के विस्तार और एआई के उपयोग से योजनाओं की मॉनिटरिंग और नागरिक सेवाओं को सुगम बनाया जा रहा है। वहीं उद्योगों में उत्पादकता और ऊर्जा दक्षता बढ़ेगी। कारखानों में रोबोटिक्स और मशीन लर्निंग के उपयोग से उत्पादन की गति बढ़ती है और त्रुटियाँ कम होती हैं८ढ्ढ सेंसर मशीनों की स्थिति पर लगातार नजर रखते हैं और खराबी आने से पहले ही चेतावनी दे देते हैं, जिससे लागत बचती है। उद्योगों में व्यक्तिगत प्राथमिकताओं को समझने और 24&7 सहायता प्रदान करने के लिए AI संचालित टूल का उपयोग किया जाता है।

नवा रायपुर में देश का पहला एआइ आधारित डेटा सेंटर

नवा रायपुर अटल नगर में देश का पहला एआइ आधारित डेटा सेंटर सेक्टर-22 में 13.5 एकड़ में विकसित हो रहा यह प्रोजेक्ट न केवल प्रदेश की पहचान को नई ऊंचाई देगा, बल्कि आम जनता के लिए भी बड़े बदलाव लेकर आएगा। प्रदेश के युवाओं को बेहतर करियर के लिए बड़े शहरों की ओर पलायन नहीं करना पड़ेगा। इसके साथ ही एआइ तकनीक का फायदा किसानों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों को भी मिलेगा। डिजिटल सेवाएं मजबूत होने से शिक्षा, स्वास्थ्य और सरकारी योजनाओं का लाभ दूरदराज के क्षेत्रों तक आसानी से पहुंच सकेगा।

नवा रायपुर बन रहा तकनीक और एआई का नया हब

नवा रायपुर को आईटी, एआई और डाटा सेंटर के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। यहाँ लगभग 1 हजार करोड़ रुपये के निवेश से एआई आधारित डाटा सेंटर और एआई एसईजेड विकसित किया जा रहा है। इसके अलावा, नवा रायपुर में करीब 200 करोड़ रुपये की लागत से नेशनल स्किल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट की स्थापना का निर्णय लिया गया है। एनआईटी रायपुर और ट्रिपल आईटी (IIIT) नवा रायपुर में एआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के माध्यम से खनन, इस्पात, स्वास्थ्य, कृषि और स्मार्ट गवर्नेंस जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान और स्टार्टअप को बढ़ावा मिल रहा है, जिससे छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए उच्च तकनीक आधारित रोजगार के नए द्वार खुल रहे हैं।

यूपीआई सरचार्ज और झूठ की गूंज वाली राजनीति

सरकार ने इस पहली बार यूपीआई की व्यवस्था के खर्च को संबोधित करने के लिए मामूली शुल्क लगाया है। शुल्क लेने में अत्यंत कड़ी शर्तें हैं जिसमें अगर कोई व्यापारी आम जनता से एमडीआर शुल्क के बहाने अधिक पेमेंट की मांग करता है तो वह उपभोक्ता संबंधित दुकानदार व व्यापारी की शिकायत भी कर सकता है।

यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) की 10 वर्षों की गौरवमयी यात्रा और अभूतपूर्व सफलता के बाद केंद्र सरकार ने आगामी 15 अक्तूबर 2026 से इसके माध्यम से दो हजार रुपए से अधिक के कारोबारी भुगतान पर कारोबारियों के लिए 0.4 प्रतिशत मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लगाने का निर्णय लिया है।

झूठ की गूंज एक्सप्रेस चलाने वाले कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व वाला इंडी गठबंधन इस निर्णय के लिए सरकार पर अमेरिकी दबाव में झुकने, घुटने टेकने जैसे आरोप लगा रहा है। विपक्ष सोशल मीडिया पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर शुल्क को मोदी टैक्स बताकर इसे तत्काल वापस लेने की मांग कर रहा है। 2000 से ऊपर के कारोबारी भुगतान के इस 0.4 प्रतिशत शुल्क पर विपक्ष के झूठ की गूंज सोशल मीडिया से लेकर व्यापारियों तक पहुंच चुकी है। राजधानी लखनऊ व उत्तर प्रदेश के व्यापारी इसका प्रबल विरोध कर रहे हैं जबकि पेट्रोल पंप कंपनियां इस टैक्स को वापस लेने के लिए सरकार पर दबाव बना रही हैं, कुछ पेट्रोल पंपों ने यूपीआई से करें भुगतान वाले बैनर व पोस्टर हटाने भी शुरू कर दिए हैं। राहुल गांधी व उनका ईको सिस्टम एक सुनियोजित साजिश के तहत सोशल मीडिया पर तरह -तरह की अफवाहें फैला रहा है कि अब डिजिटल लेन-देन कम हो जाएंगे और बाजार में कैश का चलन बढ़ जाएगा। जो लोग कैश की जगह यूपीआई पेमेंट करते हैं उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना होगा। राहुल गांधी व इंडी गठबंधन के नेताओं को लग रहा है कि 0.4प्रतिशत शुल्क की आड़ में वो अपनी राजनीति को चमका लेंगे और मोदी सरकार की छवि को गहरा आघात लगा देंगे। राहुल गांधी ऐसे प्रयास पहले भी कर चुके हैं। राफेल से लेकर कोविड तक और फिर अमेरिका - ईरान युद्ध के मध्य गैस व तेल का संकट पैदा होने पर भी इन लोगों ने सोचा था कि अब तो मोदी सरकार चली ही जाएगी। आश्चर्यजनक बात ये है कि एक तरफ कांग्रेस नेता राहुल गांधी 0.4प्रतिशत एमडीआर पर मोदी सरकार के पीछे पड़े हैं वहीं संसदीय समिति में शामिल कांग्रेस के सांसदों ने इसका समर्थन किया है। सरकार का विरोध करने से पहले राहुल गाँधी को अपने उन सांसदों से बात करनी चाहिए थी जिन्होंने वित्तीय मामलों की संसद की स्थायी समिति में यूपीआई पर यह टैक्स लगाने का समर्थन किया था। इस समिति में कांग्रेस सांसद तथा पूर्व वित्त मंत्री पी चिदम्बरम, मनीष तिवारी, गौरव गोगोई, किशोरीलाल और के. गोपीनाथ जैसे नेता शामिल थे। यूपीआई भारत का सफलतम डिजिटल नवाचार है। आज देश का लगभग हर नागरिक डिजिटल भुगतान कर रहा है। आम जनता अपनी जेब में नोट व खुले पैसे रखना भूल चुकी है। यूपीआई से प्रतिदिन 79 करोड़ ट्रांजेक्शन होते हैं। यह दुनिया का सबसे बड़ा डिजिटल प्लेटफार्म बन चुका है जिस पर विगत वर्ष 24 हजार करोड़ ट्रांजेक्शन के माध्यम से 314 लाख करोड़ रुपए का लेनदेन हुआ। इतना बड़ा प्लेटफार्म अभी तक पूरी तरह से निःशुल्क चल रहा था। एक वर्ष में डिजिटल प्लेटफार्म को चलाने में 20 हजार करोड़ रुपए खर्च होते हैं और सरकार ने इसे 10 वर्ष तक निःशुल्क चलाया। लेन-देन की संख्या अरबों में पहुंचने के बाद सर्वर ,साइबर सुरक्षा और तकनीकी रख रखाव के लिए एक स्थायी राजस्व मॉडल की जरूरत है। अब चूंकि नियम साफ हो चुके हैं और बड़े मर्चेंट लेन देन पर शुल्क का रास्ता खुल गया है इससे उन बैंकों और फिनटेक कंपनियों की वित्तीय सेहत सुधरेगी जो इस नेटवर्क को चला रह हैं।सरकार का यह निर्णय आते ही फिनटेक कंपनियों की किस्मत चमक गई है और पेटीएम का शेयर 52 सप्ताह के शिखर पर पहुंच गया है।

सरकार ने इस पहली बार यूपीआई की व्यवस्था के खर्च को संबोधित करने के लिए मामूली शुल्क लगाया है। शुल्क लेने में अत्यंत कड़ी शर्तें हैं जिसमें अगर कोई व्यापारी आम जनता से एमडीआर शुल्क के बहाने अधिक पेमेंट की मांग करता है तो वह उपभोक्ता संबंधित दुकानदार व व्यापारी की शिकायत भी कर सकता है। विकसित भारत विरोधी अराजक तत्व अभियान चलाकर, सामान्य जनता को बहका रहे हैं जबकि सत्यता यह है कि 96 प्रतिशत यूपीआई भुगतान अभी भी एमडीआर से बाहर है। सरकार द्वारा बनाए गए नियम एकदम स्पष्ट हैं जिसके अनुसार रेहड़ी पटरी लगाने वालों तथा फल सब्जी आदि बेचने वाले किसी भी छोटे कारोबारी को अतिरिक्त शुल्क कतई नही देना है। प्रतिमाह एक लाख रूपए का कारोबार करने वाले दुकानदार को भी कोई चार्ज नहीं देना है। उपभोक्ता जब कारोबारी को यूपीआई के माध्यम से दो हजार रुपए का भुगतान करेंगे तो उन्हें कोई शुल्क नहीं देना होगा। यह शुल्क केवल कारोबारियों पर लगेगा। कारोबारियों से स्पष्ट कहा गया है कि वह शुल्क की वसूली वह ग्राहकों से नही कर सकते।

नियमों के अनुसार किसी भी कारोबारी को 2000 रुपए तक पेमेंट एमडीआर से छूट वाला ही रहेगा इसलिए किराना, दवाएं ,रेस्तरां, कैब ,छोटी खरीदारी और रोजमर्रा के अधिकांश भुगतान पर कोई बदलाव नहीं होगा। रेलवे, टेलीकॉम, बीमा ईंधन और कृषि इनपुट जैसी जरूरी या कम मुनाफे वाले क्षेत्रों को अलग राहत दी गई है। राजनीति विशेषज्ञों का स्पष्ट मत है कि इस एमडीआर शुल्क से यूपीआई से भुगतान का अनुभव पहले जैसा ही रहेगा अपितु यह और आसान हो जाएगा। ग्राहक के लिए यूपीआई पूरी तरह से निःशुल्क है छोटे भुगतान और व्यापारी पूरी तरह से सुरक्षित हैं केवल 2,000 रुपए से ऊपर के चुनिंदा बड़े कारोबारियों पर 15 अक्तूबर 2026 से सीमित एमडीआर लागू होगा।

- मृत्युंजय दीक्षित

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से घरों की छतें बनीं ऊर्जा उत्पादन की इकाइयां, सरगुजा में 1,733 घरों में स्थापित हुए रूफटॉप सोलर संयंत्र

बिजली उपभोक्ता से ऊर्जा दाता बनने की ओर बढ़ते कदम

श्री अजीत एक्का
सहायक संचालक
श्री सुनील त्रिपाठी सहायक
संचालक जनसंपर्क

देश में स्वच्छ और हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने के साथ आम नागरिकों को ऊर्जा उत्पादन में सहभागी बनाने की दिशा में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना महत्वपूर्ण पहल बनकर सामने आई है। योजना ने घरों की छतों को केवल मकान का हिस्सा नहीं रहने दिया, बल्कि उन्हें बिजली उत्पादन की छोटी इकाइयों में बदलने का रास्ता खोला है। रूफटॉप सोलर संयंत्र के माध्यम से परिवार अपनी बिजली की जरूरतें पूरी करने के साथ अतिरिक्त बिजली को निर्धारित प्रावधानों के अनुसार विद्युत ग्रिड में भेज सकते हैं। इस तरह बिजली का एक सामान्य उपभोक्ता ऊर्जा उत्पादन की प्रक्रिया में सहभागी बनकर 'ऊर्जा दाता' की भूमिका की ओर बढ़ रहा है।

सूर्य की रोशनी से ऊर्जा आत्मनिर्भरता की नई राह

भारत में सौर ऊर्जा की व्यापक संभावनाओं को देखते हुए घरों की खाली छतों का उपयोग बिजली उत्पादन के लिए करना स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत पात्र परिवार अपने घरों पर रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित करा सकते हैं और निर्धारित प्रावधानों के अनुसार केंद्र एवं राज्य सरकार से वित्तीय सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

योजना के तहत मिलने वाली सब्सिडी से संयंत्र स्थापित करने की प्रारंभिक लागत का बोझ कम होता है। वहीं, सौर ऊर्जा से घर की बिजली जरूरतों की पूर्ति होने पर पारंपरिक बिजली पर निर्भरता और घरेलू बिजली खर्च में कमी आने की संभावना रहती है। आवश्यकता से अधिक बिजली उत्पादन होने पर अतिरिक्त बिजली ग्रिड में भेजने की व्यवस्था नागरिकों को ऊर्जा व्यवस्था से सीधे जोड़ती है।

सरगुजा में योजना के प्रति बढ़ा उत्साह, लक्ष्य से अधिक आए आवेदन

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को सरगुजा जिले में भी नागरिकों का अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। वर्ष 2025-26 के लिए जिले में 2,000 रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। इसके विरुद्ध 3,282 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 3,222 आवेदनों में वेंडरों का चयन किया जा चुका है, जबकि 1,733 घरों में सोलर संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं।

शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में योजना की पहुंच बढ़ रही है। अम्बिकापुर शहर में 1,000 के लक्ष्य के विरुद्ध 2,158 आवेदन प्राप्त हुए और 1,360 घरों में संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं। वहीं अम्बिकापुर ग्रामीण क्षेत्र में 1,000 के लक्ष्य के विरुद्ध 1,124 आवेदन प्राप्त हुए तथा 373 घरों में सोलर संयंत्र स्थापित किए गए हैं।

ये आंकड़े बताते हैं कि सरगुजा में नागरिक सौर ऊर्जा को अपनाने के लिए तेजी से आगे आ रहे हैं। योजना के प्रति बढ़ती रुचि यह भी दर्शाती है कि परिवार बिजली की जरूरत पूरी करने के साथ ऊर्जा उत्पादन में अपनी भागीदारी को लेकर भी जागरूक हो रहे हैं।

विनोद कुमार राय की छत बनी ऊर्जा उत्पादन का माध्यम

अम्बिकापुर के राजेंद्र प्रसाद वार्ड, दर्रीपारा निवासी श्री विनोद कुमार राय के परिवार का अनुभव इस बदलाव की तस्वीर प्रस्तुत करता है। सोलर संयंत्र स्थापित करने से पहले उनके घर का बिजली बिल कई बार 4 से 5 हजार रुपये प्रतिमाह तक पहुंच जाता था। इससे परिवार के मासिक बजट पर अतिरिक्त आर्थिक भार पड़ता था। प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना की जानकारी मिलने के बाद श्री राय ने योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन किया और अपने घर की छत पर रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित कराया। लगभग 2 लाख रुपये की लागत वाले संयंत्र पर उन्हें केंद्र सरकार से 78 हजार रुपये तथा राज्य सरकार से 30 हजार रुपये की सब्सिडी मिली। इस तरह उन्हें कुल 1.08 लाख रुपये की अनुदान सहायता प्राप्त हुई।

श्री राय ने सब्सिडी की राशि सोलर संयंत्र के लिए लिए गए बैंक ऋण में जमा की। अब उनके लिए सौर ऊर्जा केवल बिजली खर्च कम करने का माध्यम नहीं है, बल्कि बिजली उत्पादन में स्वयं की भागीदारी का अवसर भी है। कई बार उनके घर में सोलर संयंत्र से उत्पादित बिजली घरेलू खपत से अधिक हो जाती है। ऐसी स्थिति में अतिरिक्त बिजली ग्रिड में चली जाती है और निर्धारित नियमों के अनुसार उसका लाभ मिलता है।

नीधि वर्मा के परिवार को बिजली खर्च में राहत

अम्बिकापुर के मायापुर निवासी श्रीमती नीधि वर्मा ने भी प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत अपने घर में सोलर बिजली संयंत्र स्थापित कराया। उनके अनुसार संयंत्र लगने से पहले घर का बिजली बिल लगभग 4 से 5 हजार रुपये प्रतिमाह आता था। सौर ऊर्जा से घरेलू बिजली की जरूरतें पूरी होने के बाद बिजली खर्च में उल्लेखनीय राहत मिली है।

श्रीमती वर्मा को भी योजना के तहत लगभग 1.08 लाख रुपये की सब्सिडी मिली, जिसमें केंद्र सरकार की 78 हजार रुपये और राज्य सरकार की 30 हजार रुपये की सहायता शामिल है। उनका कहना है कि पहले उनका परिवार केवल बिजली का उपभोक्ता था, लेकिन अब घर की छत से बिजली का उत्पादन भी कर रहा है। अतिरिक्त बिजली ग्रिड में जाने से उनका परिवार ऊर्जा उत्पादन की प्रक्रिया में प्रत्यक्ष रूप से सहभागी बना है।

स्मार्ट मीटर और 'मोर बिजली' ऐप से खपत पर नजर

रूफटॉप सोलर व्यवस्था के साथ डिजिटल तकनीक भी बिजली उपयोग को अधिक समझने और नियंत्रित करने में मदद कर रही है। स्मार्ट मीटर और 'मोर बिजली' ऐप के माध्यम से उपभोक्ता अपने घर की बिजली खपत से संबंधित जानकारी देख सकते हैं।

श्री विनोद कुमार राय बताते हैं कि स्मार्ट मीटर और 'मोर बिजली' ऐप से वे प्रतिदिन की बिजली खपत पर नजर रखते हैं। इससे परिवार को अनावश्यक रूप से चल रहे विद्युत उपकरणों को बंद करने और बिजली के जिम्मेदार उपयोग के प्रति जागरूकता मिली है।

इस तरह प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना केवल सोलर पैनल लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह परिवारों में ऊर्जा बचत, स्मार्ट बिजली उपयोग और जिम्मेदार उपभोक्ता व्यवहार को भी बढ़ावा दे रही है।

सौर ऊर्जा का महत्व केवल आर्थिक बचत तक सीमित नहीं है। सूर्य से प्राप्त ऊर्जा का उपयोग बिजली उत्पादन में करने से स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा मिलता है और पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता कम करने में सहायता मिलती है।

करू भात खाकर महिलाओं ने रखा निर्जला व्रत

हरतालिका तीज को लेकर थानखम्हरिया में भक्ति और उत्साह का माहौल

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

थानखम्हरिया। हरतालिका तीज (तीजा) पर्व को लेकर नगर सहित क्षेत्र में महिलाओं में उत्साह और आस्था का माहौल रहा। तीज व्रत से एक दिन पहले महिलाओं द्वारा करेले की सब्जी और चावल खाने की छत्तीसगढ़ी परंपरा को 'करू भात' कहा जाता है। करू भात ग्रहण करने के बाद महिलाएं हरतालिका तीज के दिन भगवान शिव एवं माता पार्वती की आराधना करते हुए निर्जला व्रत रखती हैं।

छत्तीसगढ़ी में 'करू' का अर्थ करेला और पके हुए चावल को 'भात' कहा जाता है। परंपरा के अनुसार तीज व्रत से एक दिन पूर्व शाम को करेले की सब्जी और भात का भोजन किया जाता है। कई परिवारों में इसके बाद खीर ग्रहण करने की भी परंपरा है। करू भात के बाद महिलाएं अगले दिन के निर्जला व्रत की तैयारी करती हैं। इसके पश्चात व्रत पूर्ण होने तक अन्न और जल का त्याग किया जाता है।

हरतालिका तीज के दिन महिलाएं पति की दीर्घायु, परिवार की सुख-समृद्धि और मंगलकामना के लिए भगवान शिव एवं माता पार्वती की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करती हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए कठोर तपस्या की थी। पौराणिक कथा के अनुसार माता पार्वती की सखियां उन्हें अपने साथ वन में ले गई थीं, ताकि उनकी तपस्या में कोई बाधा न आए। इसी कारण इस व्रत का नाम हरतालिका पड़ा।

पर्व को लेकर महिलाओं ने सुबह से ही पूजा-अर्चना की तैयारियां शुरू कर दी थीं। नगर के बाजारों में साड़ी, श्रृंगार सामग्री, पूजा सामग्री सहित अन्य आवश्यक सामानों की खरीदारी करती महिलाएं नजर आईं। घरों से लेकर मंदिरों तक भक्ति का वातावरण बना रहा। महिलाओं ने पूरी श्रद्धा और उत्साह के साथ निर्जला व्रत रखकर भगवान शिव-पार्वती की आराधना की।

संक्षिप्त समाचार

सफलता की कहानी

पीएम उज्ज्वला गैस ने सरोजनी की रसोई को बनाया आसान

गीली लकड़ी और धुएं की परेशानी से मिली राहत

गैस से जल्दी और सुविधाजनक तरीके से बन रहा अब खाना

मुंगेली/ ग्राम करही निवासी सरोजनी जांगड़े के लिए प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत मिली रसोई गैस केवल एक सुविधा नहीं, बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी को आसान बनाने वाला महत्वपूर्ण बदलाव साबित हुई है। पहले लकड़ी के चूल्हे पर खाना बनाने के दौरान उन्हें खासकर बरसात के मौसम में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। सरोजनी बताती हैं कि बारिश के दिनों में लकड़ियां गीली हो जाती थीं। ऐसे में चूल्हा जलाने में काफी समय लगता था और गीली लकड़ी से निकलने वाला धुआं पूरी रसोई में भर जाता था। धुआं आंखों और नाक में जाने के कारण खाना बनाना मुश्किल हो जाता था। कई बार भोजन तैयार करने में भी अतिरिक्त समय लगता था।

उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन मिलने के बाद उनकी रसोई की तस्वीर बदल गई। अब खाना बनाने के लिए लकड़ी इकट्ठा करने और उसे सुखाने की जरूरत नहीं पड़ती। गैस चूल्हे की सुविधा से खाना पकाने का काम सरल और सुविधाजनक हुआ है। सरोजनी जांगड़े ने बताया कि पहले बरसात के दिनों में चूल्हे और धुएं से होने वाली परेशानी रोज की चिंता थी, लेकिन अब रसोई गैस ने इस परेशानी को काफी हद तक दूर कर दिया है। उनके लिए उज्ज्वला योजना सुविधाजनक रसोई और बेहतर दैनिक जीवन की दिशा में एक उपयोगी बदलाव लेकर आई है।

सीएम ने माझी से की मुलाकात, आपसी सहयोग पर जोर

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने ओडिशा प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी से उनके निवास पर मुलाकात की।दोनों मुख्यमंत्रियों के बीच छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बीच आपसी सहयोग, विकास और जनकल्याण से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई।मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मुलाकात की जानकारी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए साझा की। उन्होंने कहा कि दोनों राज्यों के बीच सहयोग को और गति देने तथा जनहित से जुड़े कार्यों को आगे बढ़ाने को लेकर सार्थक चर्चा हुई है।सीएम साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बीच बेहतर समन्वय के साथ क्षेत्र के समग्र विकास की दिशा में आगे बढ़ने का साझा संकल्प है। दोनों राज्यों के हित से जुड़े विषयों पर मिलकर काम करने और आपसी सहयोग को मजबूत करने पर जोर दिया गया।भुवनेश्वर पहुंचने के बाद मुख्यमंत्री लिंगराज मंदिर जाएंगे। यहां वे भगवान लिंगराज के दर्शन कर पूजा-अर्चना करेंगे। इसके बाद सीएम साय पुरी के लिए रवाना होंगे।ओडिशा दौरे के अगले चरण में मुख्यमंत्री पुरी पहुंचकर भगवान जगन्नाथ मंदिर में दर्शन और पूजा-अर्चना करेंगे। धार्मिक कार्यक्रम पूरा होने के बाद मुख्यमंत्री पुरी में ही रात्रि विश्राम करेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शाम करीब 6:30 बजे वे अपने होटल पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री के इस दौरे में जहां ओडिशा सरकार के साथ आपसी सहयोग और विकास से जुड़े विषयों पर चर्चा हुई, वहीं धार्मिक स्थलों के दर्शन भी उनके प्रवास का प्रमुख हिस्सा हैं।

'वसुंधरा' परियोजना से डिजिटल होंगे राजस्व अभिलेख

रायपुर । सेवा संकल्प अभियान के तहत छत्तीसगढ़ में राजस्व सेवाओं को डिजिटल, पारदर्शी और सुगम बनाने की दिशा में 'वसुंधरा' परियोजना शुरू की जा रही है। राजस्व, आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विभाग की इस परियोजना के तहत पुराने और वर्तमान राजस्व अभिलेखों का डिजिटलीकरण, संरक्षण और प्रमाणीकरण किया जाएगा। परियोजना के तहत प्रदेश के करीब 12 करोड़ 89 लाख पृष्ठों के विभिन्न राजस्व अभिलेखों को डिजिटल स्वरूप में सुरक्षित करने की योजना तैयार की गई है।

सेवा ही संकल्प अभियान के तहत दाऊपारा मुक्तिधाम में स्वच्छता अभियान

ब्यूरो चीफ मनिंदर सिंह गुंबर

मुंगेली। सेवा ही संकल्प अभियान के अंतर्गत दाऊपारा मुक्तिधाम में स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान में नगर मंडल भाजपा, युवा मोर्चा, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं नगर पालिका परिषद के संयुक्त तत्वावधान में सहभागिता करते हुए मुक्तिधाम परिसर की साफ-सफाई की गई।

इस दौरान कार्यकर्ताओं एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने श्रमदान करते हुए परिसर में फैले कचरे एवं गंदगी को साफ किया तथा स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक किया। स्वच्छ और सुंदर नगर के निर्माण के लिए ऐसे जनभागीदारी आधारित अभियान निरंतर चलाए जाने की आवश्यकता है। सेवा, स्वच्छता और समाज के प्रति जिम्मेदारी ही इस अभियान का मूल उद्देश्य है।

संस्कृति विभाग ने राज्य सम्मान के लिए आमंत्रित की प्रविष्टियां

रायपुर। संस्कृति विभाग, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा विभिन्न कला, साहित्य, संस्कृति एवं सामाजिक क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली प्रतिभाओं को प्रदान किए जाने वाले राज्य सम्मान 2026 के लिए प्रविष्टियां आमंत्रित की गई हैं। विभाग द्वारा स्थापित 12 राज्य स्तरीय सम्मान एवं 1 राष्ट्रीय सम्मान के लिए निर्धारित प्रारूप में 5 अक्टूबर 2026 तक आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। चयनित प्रतिभाओं को छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित 'राज्योत्सव 2026' के राज्य अलंकरण समारोह में सम्मानित किया जाएगा। राज्य सम्मान के लिए इच्छुक पात्र व्यक्ति निर्धारित प्रारूप में अपनी प्रविष्टियां प्रस्तुत कर सकते हैं। आवेदन में आवेदक का नाम, पता, मोबाइल नंबर, जन्मतिथि एवं आयु के साथ प्रस्तावक का विवरण तथा आवेदक की उपलब्धियों का संक्षिप्त ब्यौरा देना होगा। आवेदक द्वारा पूर्व में प्राप्त सम्मान एवं पुरस्कारों की जानकारी भी निर्धारित प्रारूप में प्रस्तुत करनी होगी। इसमें अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, प्रदेश एवं जिला स्तर पर प्राप्त सम्मान एवं पुरस्कारों का विवरण शामिल किया जाना है। शासकीय सेवा में कार्यरत आवेदकों को सामान्य प्रशासन विभाग से अनुमति पत्र संलग्न करने का प्रावधान भी रखा गया है। सम्मान की नियमावली एवं आवेदन का निर्धारित प्रारूप विभागीय वेबसाइट www.cgculture.in पर उपलब्ध है। संस्कृति विभाग द्वारा वर्ष 2026 के लिए विभिन्न विधाओं और क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान को सम्मानित किया जाएगा।

तीजा में लोकल ट्रेन बंद रखने पर रेल्वे के खिलाफ आक्रोश

भाटापारा। जोहार छत्तीसगढ पार्टी व छत्तीसगढिया क्रान्ति सेना पदाधिकारीयो ने दक्षिण पूर्व मध्य रेल्वे प्रशासन द्वारा छत्तीसगढ के सबसे बडे तिहार तीजा के दिन 12 लोकल ट्रेनों के परिचालन को रोके जाने के खिलाफ भारी आ₹ोश व्यक्त करते रेल महाप्रबंधक के नाम तत्काल निर्णय वापस लेने की मांग करते भाटापारा स्टेशन प्रबंधक को ज्ञापन सौपा । इस दौरान स्टेशन परिसर मे जोरदार नारेबाजी कर छत्तीसगढ के संस्कृति ,परम्परा का अनादर व छत्तीसगढियो को अपमानित करने का आरोप रेल्वे प्रशासन पर लगाया । महाप्रबंधक को संबोधित ज्ञापन मे कहा गया कि बेहद दुख व खेद का विषय है कि दक्षिण पूर्व मध्य रेल्वे प्रशासन के द्वारा छत्तीसगढ प्रदेश के लाखो रेल यात्री के साथ तुगलकी फरमान जारी कर पिछले दो दिनो से कोरबा - रायपुर-दुर्ग के मध्य चलने वाले लोकल यात्री ट्रेनो को बंद रखने का गलत अविवेकपूर्ण फैसला एवं छत्तीसगढ़ियो को अपमानित करने वाला निर्णय लिया गया है । जिससे पूरे छत्तीसगढ़िया समाज मे भारी आ₹ोश व्याप्त है । सर्वविदित है कि छत्तीसगढ प्रदेश का सबसे बडा त्योहार तीजा-पोरा इन दिनो मे ही है । जिसमे प्रत्येक छत्तीसगढिया माताये - बहनी अपने ससुराल से मायके जा कर यह पर्व मनाती है , लाखो माता-बहने इन दिनो अपने बच्चो के साथ ट्रेन से यात्रा पुरी कर अपने मायके जाती है और वापसी ससुराल भी आती है । यात्रा के लिए रेल ही प्रमुख साधन होता है । कोरबा-रायपुर-दुर्ग के बीच सभी छोटे स्टेशनो पर इन्ही लोकल ट्रेन आवागमन का सबसे प्रमुख, सुरक्षित, व कम खर्चे वाला साधन होता है । लोकल ट्रेन के बंद हो जाने से आम रेल यात्रियो खासकर महिलाओ व बच्चो को भारी दिक्कतो का सामना करना पडेगा। साथ ही सडको पर ट्रैफिक का अतिरिक्त भारी दबाव पडेगा , जिससे दुर्घटनाओ की संभावना बढ जायेगा । रेल प्रशासन-विभाग जिस प्रकार छठ पर्व मे बिहार व दुर्गा पूजा के समय बंगाल के लिये अतिरिक्त स्पेशल ट्रेन, ट्रेनो मे अतिरिक्त बोगियो की व्यवस्था करता है किन्तु छत्तीसगढ प्रदेश के सबसे बडे त्योहार के दिनो ही अतिरिक्त स्पेशल ट्रेन चलाना छोड कर नियमित लोकल यात्री ट्रेनो को भी बंद करने का मनमामी फैसला किया है जिसका जोहार छत्तीसगढ पार्टी व छत्तीसगढिया क्रान्ति सेना कडे शब्दो मे निंदा करती है । क्रांति सेना ने जनहित में भाटापारा - निपनिया दाधापारा, चकरभाठा, दगोरी, हथबंद , तिल्दा - नेवरा- बैंकुठ ,सिलयारी , माढंर, उरकुरा रेलवे स्टेशनों के 10 हजार से अधिक रेल यात्रियों के हित में नियमित लोकल पैसेंजर ट्रेन चलाने की मांग की है।

युग जैन ने 9 दिन का उपवास कर पूरी की कठिन तपस्या

जैन समाज एवं नगरवासियों ने आशीर्वाद देकर उज्ज्वल भविष्य की कामना की

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

थानखम्हरिया। जैन धर्म में उपवास को आत्मशुद्धि और आत्मसंयम का महत्वपूर्ण माध्यम माना गया है। इसी भावना के साथ नगर के 15 वर्षीय बालक युग जैन, पिता सुमित जैन, ने लगातार 9 दिनों तक उपवास रखकर कठिन तपस्या पूर्ण की। इस दौरान उन्होंने अन्न सहित किसी भी प्रकार के भोजन का सेवन नहीं किया तथा केवल उबला हुआ पानी ग्रहण किया।

9 दिनों तक बिना अन्न ग्रहण किए तपस्या पूर्ण करना अत्यंत कठिन माना जाता है। युग जैन द्वारा दृढ़ इच्छाशक्ति और गहरी धार्मिक आस्था के साथ इस तपस्या को सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर जैन समाज में हर्ष का वातावरण रहा।

तपस्या के सफल समापन पर रामजीलाल जगदीश प्रसाद भवन में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें जैन समाज के लोगों के साथ नगरवासी, रिश्तेदार एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने युग जैन को आशीर्वाद प्रदान करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर जैन मुनि ने कहा कि जैन धर्म में उपवास का अर्थ केवल भोजन का त्याग करना नहीं, बल्कि अपनी आत्मा के निकट रहना है। उपवास के माध्यम से मन, वचन और शरीर पर नियंत्रण बढ़ता है। तपस्या के माध्यम से व्यक्ति आत्मिक शुद्धि की ओर अग्रसर होता है।

कार्यक्रम के उपरांत भोज का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में समाजजन एवं नगरवासी शामिल हुए और प्रसादी ग्रहण की। युग जैन की तपस्या पूर्ण होने पर परिवार एवं समाजजनों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके आत्मबल और धार्मिक भावना की सराहना की।

गैंदाटोला में शिक्षक सम्मान समारोह एवं परिचर्चा का हुआ आयोजन

राजनांदगांव। परिक्षेत्र साहू समाज के गैंदाटोला के तत्वाधान में सामाजिक परिचर्चा एवं शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नोबल साहू अध्यक्ष जिला साहू समाज राजनंदगांव विशिष्ट अतिथि के रूप में मदन लाल साहू संयोजक न्याय प्रकोष्ठ जिला राजनांदगांव , भरत लाल साहू जिला कार्यकारिणी सदस्य राजनांदगांव,श्री मति हेमिनविण्णु साहू सभापति जनपद पंचायत छुरिया, खिलेश्वर साहू,गजेन्द्र साहू भारत लाल साहू,चतुर राम, साहू, बिसेशर साहू, बालेश्वर साहू, ईश्वर साहू,सेतु राम साहू, श्रीमती देवकी साहू संगठन सचिव, भेष साहू,ईश्वर साहू, रामपाल,धनेश कुमार साहू सचिव विष्णु कुमार साहू, मनोहर साहू उपस्थित थे। जिला साहू संघ अध्यक्ष नोबल साहू ने मां कर्मा की पूजा अर्चना करते हुए कहा कि साहू समाज एक आदर्श समाज है समाज के नियमों और नियमावली का पालन करना हम सबका दायित्व है सामाजिक कुरीतियां को दुर करना होगा तभी समाज आगे बढ़ेगा तथा सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दिया तथा कहा कि शिक्षक समाज का दर्पण है।विशेष अतिथि श्री मती हेमीनविण्णु साहू ने भी अपने उद्धोधन में कहा कि आज

साहू समाज हर समाज के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रहा है समाज को नशामुक्त एवं समाज के नियमों का पालन करना चाहिए तथा सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दिया कार्यक्रम का सफल संचालन घनेश कुमार साहू एवं विष्णु प्रसाद साहू शिक्षक ने किया इस कार्यर म में 20 शिक्षकों का सम्मान किया गया तथा सभी शिक्षकों वो प्रशस्ति पत्र एवं शाल से सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में शिक्षकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया तथा सभी समाज प्रमुख ग्रामीण अध्यक्ष एवं सदस्यों ने भी भाग लिया शिक्षा कौन इस कार्यर म की भूरी भूरी शराहणा की तथा उन्होंने ऐसा कहा कि इस प्रकार से रचनात्मक कार्य समाज में होना चाहिए जिससे समाज को दशा और दिशा मिलता है तथा समाज के लोगों को एक उत्साह मिलता है समाज हमारे लिए आज एक माता-पिता के समान है समाज की राह में चलकर हर इंसान को एक उत्कृष्ट राहमिलता है समाज से ही हम आज दिनों दिन पीछे हट रहे हैं और अपने मूल रूप को भूलकर पाश्चात्य सभ्यता की ओर दौड़ रहे हैं इस कार्यर ममें सभी सदस्यों ने भाग लिया और अपने-अपने विचार व्यक्त किया तथा समाज को किस प्रकार से एक नई ऊंचाई में ले जाना है उसे पर विचार किया गया और समाज की बुराइयां नशापन मद्यपान और मोबाइल की लत से बच्चों को कैसे दूर भगाना है और साहू समाज को एक गौरवशाली समाज के रूप में प्रदेश में स्थापित करना है तभी हमारा देश प्रदेश समाज कुरुक्षेत्र तहसील जिला और गांव का विकास होगा इस पर सभी ने प्रकाश डालने का प्रयास किया है और हमारे क्षेत्र में इस प्रकार से शिक्षकों का सम्मान होना गौरव की बात है ऐसा कार्यर म हमेशा होना चाहिए जिससे शिक्षकों या अन्य वरिष्ठ जनों शासकीय जनों को काम करने में और उसुखता बढ़ता है कार्यर म का आयोजन पूरे क्षेत्र में एक विशेष चर्चा का विषय है सभी समाज के लोग इस कार्यक्रम की बहुत सराहनीय योगदान के लिए और क्षेत्रीय साहू समाज को बहुत-बहुत बधाई एवं सम्मान पाने वाले शिक्षकों में धनवागम साहू प्रधान पाठक कुलियाल एमपी विष्णु प्रसाद साहू बेलरगेदी षठवदन साहू प्राथमिक शाला दूरे बंजारी युकेश कुमार साहू, अरुण साहू, धरम दास साहू,डुमेश हिरवानी आदर्श विद्या मंदिर चेतन साहू सरस्वती शिशु मंदिर मनीष साहू,जगलपुर मानिक साहू एवं मैडम लोग भी थे। कार्यक्रम का सफल आयोजन के लिए वीरेंद्र कुमार साहू परिक्षेत्र अध्यक्ष ने सबको धन्यवाद दिया।यह जानकारी मिडिया प्रभारी गिरधर लाल साहू ने दिया।

एक नजर

अग्र महाकुंभ के द्वितीय दिवस प्रदान किए जाएंगे 18 प्रतिष्ठित "अग्र अलंकरण"

अग्र शिरोमणि, अग्र भूषण ,अग्र रत्न, इत्यादि पुरस्कार से नवाजे जाएंगे प्रतिभागी

रायपुर/अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन द्वारा श्री अग्रवाल सभा अंबिकापुर एवं सरगुजा संभागीय अग्रवाल महासभा के आतिथ्य में आयोजित दो दिवसीय "अग्र महाकुंभ 2026–सेवा, शक्ति और सामर्थ्य का संगम" के द्वितीय दिवस, 20 सितंबर 2026 को छत्तीसगढ़ स्तरीय "दशम अग्र अलंकरण समारोह" आयोजित किया जाएगा। समारोह में शिक्षा, प्रशासनिक सेवा, समाजसेवा, राजनीति, चिकित्सा, जीव-दया, पर्यावरण, पत्रकारिता, खेल, महिला सशक्तिकरण, कला-संस्कृति, उद्योग-व्यापार एवं संस्थागत सेवा सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां अर्जित करने वाली प्रदेश की 18 प्रतिभाओं एवं संस्थाओं को प्रतिष्ठित "अग्र अलंकरण" से सम्मानित किया जाएगा। अग्र अलंकरण के संयोजक श्री ललित अग्रवाल तथा सह-संयोजक श्री पंकज अग्रवाल, डॉ. विकास गोयल एवं श्रीमती वर्षा अग्रवाल ने बताया कि चयन समिति द्वारा प्राप्त प्रविष्टियों एवं उपलब्धियों का गहन अध्ययन, चिंतन-मंथन तथा निष्पक्ष मूल्यांकन करने के बाद पुरस्कार विजेताओं का चयन किया गया है। ये सभी चयनित प्रतिभाएं अपने-अपने कार्यक्षेत्र में विशिष्ट पहचान स्थापित कर चुकी हैं और अपनी उपलब्धियों से अग्रवाल समाज के साथ-साथ पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश को गौरवान्वित कर रही हैं। प्रदेशभर में इन पुरस्कारों की विशेष प्रतिष्ठा है। समाज की प्रतिभाएं इस सम्मान को प्राप्त करना अपने लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि मानती हैं। ये अलंकरण केवल सम्मान नहीं, बल्कि सेवा, साधना, संघर्ष एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की सार्वजनिक स्वीकृति हैं।

18 अग्र अलंकरण एवं चयनित प्रतिभाएं

1. स्व. श्रीमती अंगूरी देवी- मूलचंद अग्रवाल स्मृति "अग्र-दीप पुरस्कार" पीएचडी/पोस्ट ग्रेजुएशन में गोल्ड मेडल के क्षेत्र में
डॉ. संजय अग्रवाल, बिल्हा

2. स्व. श्रीमती चंदा देवी- हनुमान प्रसाद अग्रवाल स्मृति "अग्र-गौरव पुरस्कार" यूपीएससी–आईएएस/आईपीएस/आईएफएस/आईआरएस में चयन हेतु
कु. वैभवी अग्रवाल, रायपुर

3. स्व. श्रीमती रामबाई- जमुना दास अग्रवाल स्मृति "अग्र-भूषण पुरस्कार" समाजसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हेतु
श्री राजेन्द्र अग्रवाल 'राजू', बिलासपुर

4. स्व. श्री रामस्वरूप अग्रवाल स्मृति "अग्र-दानी पुरस्कार" अस्पताल, धर्मशाला, गौशाला आदि के निर्माण में उत्कृष्ट सहयोग हेतु
श्री विनोद अग्रवाल, अंबिकापुर

5. स्व. श्रीमती सीता देवी- किशनलाल मोदी स्मृति "अग्र-शिखर पुरस्कार" राजनीति के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु
श्री राजेश अग्रवाल, लखनपुर
पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री, छत्तीसगढ़ शासन

6. स्व. श्रीमती रामदेई- शीशराम अग्रवाल स्मृति "अग्र-शिरोमणि पुरस्कार" समाजसेवा के क्षेत्र में आजीवन समर्पित सेवाओं हेतु
श्री महेन्द्र सेक्सरिया, दुर्ग

7. स्व. श्रीमती कमला बाई- मूलचंद अग्रवाल स्मृति "अग्र-श्री पुरस्कार" जीव-दया के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य हेतु
श्री सुधीर सुल्तानिया, रायपुर

8. स्व. श्री हरिश्चंद्र अग्रवाल स्मृति "अग्र-धन्वंतरि पुरस्कार" स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में अमूल्य योगदान हेतु
डॉ. अंकिता गोयल, अंबिकापुर

9. स्व. श्री राजकुमार अग्रवाल स्मृति "अग्र-पुंज पुरस्कार" बारहवीं कक्षा की प्राविण्य सूची में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन हेतु
कु. प्रगति अग्रवाल, लखनपुर

10. स्व. श्रीमती भंती देवी- अमर सिंह स्मृति "अग्र-मित्र पुरस्कार" पर्यावरण एवं स्वच्छता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान हेतु
श्री महेन्द्र बागड़ोदिया, रायपुर

11. स्व. श्री गीत गोविंद स्मृति "अग्र-प्रखर पुरस्कार" राष्ट्रीय स्तर की व्यावसायिक प्रतियोगी परीक्षा में श्रेष्ठ प्रदर्शन हेतु
डॉ. पाछवी अग्रवाल, रायपुर

12. स्व. श्रीमती सुंदर देवी- कृष्णलाल अग्रवाल स्मृति "अग्र-विशारद पुरस्कार" नृत्य एवं संगीत के क्षेत्र में प्रांतीय/राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु
श्रीमती तनिषा अग्रवाल, अंबिकापुर

13. स्व. श्री नंदराम- शंकरलाल अग्रवाल स्मृति "अग्र-विभूति पुरस्कार" सामाजिक प्रकाशन, पत्रकारिता अथवा न्यूज मीडिया सहयोग हेतु
श्री नमित जैन, रायपुर

14. स्व. श्री रामनाथ- अमरावती देवी अग्रवाल स्मृति "अग्र-श्रेष्ठ पुरस्कार" खेलकूद के क्षेत्र में प्रांतीय/राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु
श्री जयनारायण 'राहुल' अग्रवाल, बसना

15. स्व. श्री सत्यनारायण अग्रवाल स्मृति "अग्र-ज्योति पुरस्कार" महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हेतु
श्रीमती ममता अग्रवाल, अंबिकापुर

16. श्रीमती बिमला- राधेश्याम सिंघल "अग्र-रत्न पुरस्कार" कला, साहित्य एवं संस्कृति के क्षेत्र में श्रेष्ठ प्रदर्शन हेतु
श्रीमती सौम्या जिंदल, कांसाबेल

17. स्व. श्रीमती सरस्वती देवी गोयल स्मृति "अग्र-उद्यमी पुरस्कार" उद्योग एवं व्यापार के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हेतु
श्री दादूराम अग्रवाल, रायपुर

18. स्व. डॉ. मातुराम अग्रवाल स्मृति "अग्र-संस्था पुरस्कार" उत्कृष्ट अग्रवाल संस्था के रूप में विशिष्ट पहचान स्थापित करने हेतु
श्री अग्रवाल सभा अंबिकापुर

"अग्र विशिष्ट सम्मान"

अग्र महाकुंभ 2026 में विशिष्ट उपलब्धियों एवं योगदान के लिए निम्न प्रतिभाओं को "अग्र विशिष्ट सम्मान" से भी सम्मानित किया जाएगा–
श्री आयुष सांवड़िया, बाराद्वार
श्री सैन्टी सोनाभ गर्ग, कटघोरा
श्रीमती रचना नितेश गोयल

आयोजन समिति के छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ अशोक अग्रवाल , संभागीय अग्रवाल महासभा सरगुजा के अध्यक्ष पवन अग्रवाल, अग्रवाल सभा अंबिकापुर के अध्यक्ष संजय मितल , कार्यक्रम के संयोजक सुभाष गोयल और कन्हैयालाल अग्रवाल, प्रचार प्रसार प्रभारी सुनील अग्रवाल बॉबी, मुकेश गर्ग, प्रांतीय महामंत्री संजय अग्रवाल ने, समाजबंधुओं से अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर सम्मानित प्रतिभाओं का उत्साहवर्धन करने तथा इस ऐतिहासिक समारोह के साक्षी बनने की अपील की है। यह समारोह समाज की श्रेष्ठ प्रतिभाओं का अभिनंदन करने के साथ ही नई पीढ़ी को सेवा, शिक्षा, पुरुषार्थ, संस्कार और सामाजिक उत्तरदायित्व के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान करेगा।

रायपुर रेल मंडल में चिन्हित स्थलों की 'सेल्फी प्वाइंट' पर जोर

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर रेल मंडल में 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर 2026 तक 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के अंतर्गत विभिन्न स्वच्छता एवं जनजागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य रेलवे परिसरों एवं रेलवे क्षेत्राधिकार में स्वच्छता को सुदृढ़ करने के साथ-साथ स्वच्छता के प्रति कर्मचारियों, यात्रियों एवं आमजन की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है। इसी क्रम में 19 एवं 20 सितम्बर 2026 को 'चिन्हित स्थलों से कचरा एवं गंदगी हटाने के बाद इन स्थानों के सौंदर्यीकरण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। ऐसे स्थलों को स्वच्छ एवं आकर्षक बनाने के साथ-साथ रेलवे स्टेशनों पर 'स्वच्छता' थीम आधारित सेल्फी प्वाइंट विकसित किए जा रहे हैं। इन सेल्फी प्वाइंट्स का उद्देश्य यात्रियों एवं रेलवे कर्मचारियों को स्वच्छता गतिविधियों से जोड़ना तथा स्वच्छता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है। रायपुर रेल मंडल द्वारा सभी रेलकर्मियों एवं आमजन से अपील की जा रही है कि वे रेलवे परिसर, स्टेशन, कॉलोनी एवं ट्रैक के आसपास कचरा न फैलाएं, कचरे को निर्धारित स्थान पर ही डालें तथा स्वच्छता गतिविधियों में सक्रि य भागीदारी निभाएं।

स्वच्छता ही सेवा' अभियान का संदेश है कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि सामूहिक जिम्मेदारी और दैनिक जीवन की आदत है। रेलवे प्रशासन द्वारा 02 अक्टूबर तक चलने वाले इस अभियान के दौरान स्वच्छता, सौंदर्यीकरण एवं जनभागीदारी से जुड़ी गतिविधियों को निरंतर बढ़ावा दिया जा रहा है।

दादा ने शुरू किया था, पोता संभाल रहा जिम्मेदारी गणेश समिति की 40 सालों की अनूठी मिसाल

धार्मिक आस्था, सामाजिक एकजुटता और पारिवारिक आत्मीयता का प्रतीक

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

थान खम्हरिया। 'गणेश उत्सव पंडाल' आज अपनी 40 वर्षों की ऐतिहासिक यात्रा पूरी कर चुका है। चार दशक पूर्व जिस निष्ठा के साथ इस समिति की नींव रखी गई थी, वह आज केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि पीढ़ियों के जुड़ाव का एक जीवंत उदाहरण बन चुका है। समिति द्वारा आयोजित यह गणेश उत्सव वर्ष-दर-वर्ष और अधिक भव्य रूप लेता जा रहा है। सबसे खास बात यह है कि आज इस आयोजन की बागडोर तीसरी पीढ़ी के हाथों में है। जिनके दादा ने कभी इस पंडाल की नींव रखी थी, आज उनके पोते पूरी श्रद्धा और तत्परता से इस जिम्मेदारी का निर्वहन कर रहे हैं। सहजन और सेवाभाव से बना यह माहौल आज हर किसी को एक सूत्र में पिरोता है।

आज से ठीक 40 वर्ष पूर्व इस भव्य गणेश उत्सव पंडाल के आयोजन की शुरुआत समाज के गणमान्य एवं दूरदर्शी वरिष्ठों द्वारा की गई थी। इस पावन पहल को धरातल पर उतारने का श्रेय पंडित ओमप्रकाश जोशी, अनिल सिंघानिया और संजय सिंघानिया को जाता है। उन्होंने निस्वार्थ भाव से समाज को एक मंच पर लाने और गणेशोत्सव को एक सामूहिक पर्व

का रूप देने का संकल्प लिया था। उनके अथक प्रयासों और अगाध श्रद्धा ने इस आयोजन की मजबूत आधारशिला रखी थी।

इन संस्थापक संरक्षकों के साथ राजेश सिंघानिया, हरिश्चंद्र दुकनिया, श्याम सिंघानिया, राजकुमार अग्रवाल और हरि अग्रवाल जैसे समर्पित समाजसेवियों ने भी अपना अमूल्य योगदान दिया। इन सभी पूर्व सदस्यों ने मिलकर न केवल गणेश जी की स्थापना की, बल्कि समिति में अनुशासन, समर्पण और अपनापन की एक अनूठी संस्कृति विकसित की। अपनी मेहनत और निष्ठा के बल पर इन वरिष्ठों ने इस आयोजन को क्षेत्र की पहचान बना दिया, जो आज चार दशकों से बदस्तूर जारी है।

वर्तमान स्थिति: परंपरा और आधुनिकता का सुंदर संगम

समय बीतने के साथ-साथ इस गणेश उत्सव समिति का स्वरूप और भी व्यापक हो गया है। आज 40 वर्षों के लंबे सफर के बाद, यह आयोजन केवल पूजा-अर्चना तक सीमित न रहकर एक बड़े सांस्कृतिक व सामाजिक महोत्सव का रूप ले चुका है। पंडाल में आने वाला हर श्रद्धालु इस बात का गवाह है कि कैसे पुरानी परंपराएं आज की आधुनिक व्यवस्थाओं के साथ तालमेल बैठाकर चल रही हैं। इस सहजन और आपसी सामंजस्य ने आयोजन को एक बड़े पारिवारिक समारोह जैसी आत्मीयता प्रदान की है, जहाँ हर कोई एक परिवार की तरह जुड़ता है।

वर्तमान सदस्य : दादा की विरासत को संभालते पोते

आज इस समिति की पूरी जिम्मेदारी तीसरी पीढ़ी यानी वर्तमान युवाओं के कंधों पर है। कई ऐसे युवा सदस्य हैं, जिनके दादा कभी इस समिति के संस्थापक सदस्य हुआ करते थे और आज वे खुद पंडाल की हर छोटी-बड़ी व्यवस्था की जिम्मेदारी पूरी लगन से निभा रहे हैं। युवा सदस्य अपने पूर्वजों के बनाए आदर्शों पर चलते हुए तकनीक और नई सोच का समावेश कर रहे हैं। पीढ़ी दर पीढ़ी चल रही इस सहभागिता से न केवल धार्मिक आयोजन का दायरा बढ़ा है, बल्कि नई पीढ़ी में जिम्मेदारी निभाने का एक पारिवारिक माहौल भी निर्मित हो रहा है।

कैंसर की रोकथाम, समय पर पहचान और सुलभ उपचार के लिए सरकार, चिकित्सा जगत और समाज को मिलकर करने होंगे प्रयास - मुख्यमंत्री

रायपुर। कैंसर के विरुद्ध लड़ाई केवल बीमारी के उपचार तक सीमित नहीं है। मरीज को आधुनिक और प्रभावी उपचार उपलब्ध कराने के साथ उसका मनोबल बनाए रखना तथा उसे यह विश्वास दिलाना भी उतना ही आवश्यक है कि इस कठिन लड़ाई में वह अकेला नहीं है। चिकित्सकों का संवेदनशील व्यवहार और परिवार एवं समाज का भावनात्मक सहयोग मरीज के भीतर बीमारी से लड़ने का हौसला बढ़ाता है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज नवा रायपुर स्थित मेफेयर में बालको मेडिकल सेंटर द्वारा आयोजित चौथे बीएमसी छत्तीसगढ़ कैंसर कॉन्क्लेव-2026 के शुभारंभ अवसर पर संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि कैंसर आज पूरी दुनिया के सामने गंभीर स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक है। कैंसर का नाम सुनते ही मरीज के साथ पूरा परिवार चिंता और अनिश्चितता से घिर जाता है। बीमारी का प्रभाव केवल मरीज के शरीर तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसकी

मानसिक, पारिवारिक और आर्थिक परिस्थितियों पर भी पड़ता है। इसलिए कैंसर के उपचार में समग्र दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि चिकित्सक जब आत्मीयता और संवेदनशीलता के साथ मरीज से जुड़ते हैं तो वे केवल बीमारी का उपचार नहीं करते, बल्कि मरीज और उसके परिवार के लिए विश्वास और हौसले का आधार भी बनते हैं। चिकित्सा विज्ञान में हो रही प्रगति के साथ मानवीय संवेदना का यह पक्ष कैंसर के विरुद्ध लड़ाई को और मजबूत बनाता है।

समय पर पहचान से बढ़ती हैं प्रभावी उपचार की संभावनाएं

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि कैंसर से लड़ाई में सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं में से एक बीमारी की समय पर पहचान है। शुरुआती अवस्था में कैंसर की पहचान होने पर प्रभावी उपचार की संभावनाएं काफी बढ़ जाती हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भी कैंसर सहित गंभीर बीमारियों की समय पर स्क्रीनिंग और रोकथाम को प्राथमिकता दी है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कॉन्क्लेव में उपस्थित विशेषज्ञों से आग्रह किया कि वे ऐसी आधुनिक तकनीकों, अनुसंधानों और प्रभावी उपायों पर विचार करें, जिनसे कैंसर की जल्द पहचान हो सके और उपचार को अधिक सस्ता, सुलभ तथा आम लोगों की पहुंच में लाया जा सके। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कॉन्क्लेव चिकित्सा जगत के अनुभव, शोध और नवाचार को साझा करने का महत्वपूर्ण मंच हैं।

भगवान गणेश को चढ़ाएं ये चीजें, दूर होंगी सभी विघ्न-बाधाएं

गणपति बप्पा मोरया अब हर जगह पर आपको यही आवाज सुनाई देगी। 14 सितंबर से गणपति का आगमन हो रहा है, जिसकी तैयारियां पूरी हो गई है। किसी ने मंदिर को सजाना शुरू कर दिया है, तो किसी ने अपने घर में गणपति को रखने के लिए जगह सजनी शुरू कर दी है। लेकिन आपको गणपति लाने से पहले कई सारी चीजें है, जिनका खास ध्यान रखना जरूरी होता है। ऐसा इसलिए क्योंकि इससे आपका पूजन संपन्न होता है। साथ ही, आपकी सारी मनोकामना पूरी होती है। चलिए आपको बताते है कौन सी बातें है, जिन्हे जानना जरूरी होता है।

गणेश जी को चढ़ाए दूर्वा की माला

गणेश जी को दूर्वा बेहद प्रिय होती है। इसलिए कई सारे लोग गणेश पूजन के समय इसे गणपति जी को जरूर चढ़ाते है। लेकिन गणेश उत्सव के समय अगर आप 51 दूर्वा दूर्वा की माला चढ़ाएंगी, तो इससे आपकी मनोकामना जल्दी पूरी होगी। लेकिन यह आपको तब तक चढ़ानी है, जब तक आपके घर में गणपति विराजमान है। इससे आपके घर में पॉजिटिविटी बनी रहेगी। साथ ही, आपकी सारी इच्छा पूरी हो जाएगी।

गणेश जी को चढ़ाएं सिंदूर

हम सभी को यह तो पता है कि हनुमान जी को सिंदूर चढ़ाया जाता है। लेकिन यह वही लोग चढ़ाते है, जिनकी मांगी हुई इच्छा पूरी होती है। आप इसी सिंदूर को गणपति को चढ़ाएं। इससे भी आपकी इच्छा पूरी होगी। इस सिंदूर को आप अपने घर में रखे गणपति पर चढ़ाए। इसके बाद रोजाना इसका टिका लगाएं। इससे आपके सारे काम बन जाएंगे।

इन मंत्रों का करें जाप

गणेश पूजन के समय घर में सुबह और शाम पूजा होती है। इस पूजा में आरती की जाती है। लेकिन अगर आपको भगवान गणेश को प्रसन्न करना है, तो इसके लिए आप एक मंत्र का जाप जरूर करना चाहिए। गणेश पूजा मंत्र- ॥ ॐ गं गणपतये नमः ॥ इस मंत्र का जाप करें। आप चाहे तो इसे किसी पेपर पर भी लिख सकती है। इससे आपके सारे काम बनने शुरू हो जाएंगे। इस मंत्र को आपको रोजाना रटे करना है।

भगवान गणेश को प्रसन्न करने के लिए इन उपायों को करें। इससे आपकी सारी बाधाएँ दूर हो जाएगी और सफलता प्राप्त होगी। इस दिन की गई आराधना से बुद्धि, विवेक में वृद्धि होती है, जिससे मानसिक शांति और सफलता की प्राप्ति होती है। इसलिए आपको यह उपाय जरूर करना चाहिए। पंडित जी के बताए गए इन उपायों को करने से आपके सारे काम बन जाएंगे। साथ ही, आपकी इच्छाएं पूरी होंगी।

श्री गणेश जी की पूजा विधि और महत्व

हिंदू पंचांग के अनुसार हर साल भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को गणेश चतुर्थी मनाई जाती है। इस दौरान बप्पा की पूजा-अर्चना विधिवत रूप से करने का विधान है। भगवान गणेश को बुद्धि, समृद्धि और सौभाग्य का कारक माना जाता है। बप्पा सभी देवी-देवताओं में सबसे पहले पूजे जाने वाले देवता है। इनकी पूजा करने के बाद ही देवी-देवता की पूजा करने का मान्यता है। आपको बता दें, वैसे तो हर महीने चतुर्थी तिथि के दिन भगवान गणेश की पूजा करने का विधान है। लेकिन भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष में पड़ने वाली चतुर्थी तिथि को बेहद खास माना जाता है। वही अनंत चतुर्थी के दिन बप्पा को विदा करते है। अब ऐसे में इस साल गणेश चतुर्थी कब से आरंभ हो रहा है। पूजा का शुभ मुहूर्त कब है। इस पर्व का महत्व क्या है। इसके बारे में ज्योतिषाचार्य से विस्तार से जानते है।

गणेश चतुर्थी के दिन पूजा का महत्व क्या है?

भगवान गणेश को विघ्नहर्ता कहा जाता है। माना जाता है कि उनकी पूजा करने से सभी प्रकार के विघ्न दूर होते हैं और कार्य में सफलता मिलती है। गणेश चतुर्थी को नई शुरुआत का प्रतीक माना जाता है। इस दिन नए काम की शुरुआत करना शुभ माना जाता है। भगवान गणेश को ज्ञान और

बुद्धि का देवता भी माना जाता है। उनकी पूजा करने से बुद्धि में वृद्धि होती है और ज्ञान प्राप्त होता है। गणेश जी की पूजा करने से घर में सुख-समृद्धि आती है। गणेश जी की पूजा से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

गणेश चतुर्थी कब है?

पंचांग की गणना के अनुसार, चतुर्थी तिथि का आरंभ 14 सितंबर को सुबह में 7 बजकर 6 मिनट पर आरंभ होगी और 15 सितंबर को सुबह में 7 बजकर 45 मिनट पर खत्म होगी। ऐसी मान्यता है कि गणेशजी का जन्म दोपहर के समय हुआ था।

कैसे करें गणपति की स्थापना और पूजा

- प्रात:काल स्नान के बाद सबसे पहले व्रत और पूजा का संकल्प लें।
- घर के ईशान कोण (उत्तर-पूर्व दिशा) में एक चौकी पर पीला कपड़ा बिछाएं।
- गणेश जी की मूर्ति को स्थापित करें, उन पर गंगाजल छिड़कें और उनका अभिषेक करें।
- गणपति को सिंदूर, दूर्वा (21 पत्तियाँ), लाल फूल, मोदक, लड्डू, नारियल, गन्ना, फल और नैवेद्य अर्पित करें।
- गणेश चालीसा, अथर्वशीर्ष या फिर गणपति स्तोत्र का पाठ करें।
- पूजा के अंत में घंटा, शंख और मंजीरे के साथ गणेश जी की आरती करें।
- यह पूजा प्रक्रिया सायंकाल के समय भी दोहराई जाती है, ताकि दिन भर गणेशजी की उपासना बनी रहे। पूजा के बाद किसी ब्राह्मण को भोजन और दान देकर फिर स्वयं भोजन ग्रहण करें।

सनातन धर्म में गणेश चतुर्थी का पर्व बेहद सौभाग्यशाली माना जाता है। इस दौरान भक्त गणपति बप्पा की प्रतिमा अपने घर में स्थापित करते हैं।

इसलिए गणेश चतुर्थी का पर्व 14 सितंबर को ही मनाया जाएगा।

इस बार 12 दिनों का रहेगा गणेश उत्सव

गणेश उत्सव आमतौर पर 10 दिनों का होता है, लेकिन हिन्दू पंचांग के अनुसार गणना और तिथियों के विशेष संयोग के कारण वर्ष 2026 में गणेशोत्सव 12 दिनों तक मनाया जा रहा है। यह एक दुर्लभ खगोलीय व धार्मिक संयोग है, जो लगभग 9 साल बाद (2017 के बाद) बन रहा है। इस बार कई शुभ योग में यह गणेश उत्सव मनाया जाएगा।

कारण: चन्द्र पंचांग के अनुसार तिथियों के घटने-बढ़ने (वृद्धि तिथि) और सूर्योदयकालीन तिथि गणना के कारण चतुर्थी तिथि से अनंत चतुर्दशी तक की कुल अवधि 12 दिनों की हो रही है।

घर में कितने दिनों तक रखनी चाहिए बप्पा की मूर्ति?

हिंदू कैलेंडर के अनुसार, इस साल गणेशोत्सव की शुरुआत 14 सितंबर से हो रही है। इस दौरान लगभग सभी अपने घरों में गणपति को स्थापित कर उनकी पूजा करते है। गणेश जी को वैसे तो घर में पूरे 10 दिनों तक रखने का विधान है। आखिरी दिन नदी,कुंड या तालाबों में विसर्जित कर दिया जाता है, लेकिन श्रद्धा, भक्ति और क्षमता के अनुसार लोग 1, 3, 5 या 7 दिनों तक भी घर में गणपति जी को रखकर उनकी विदाई कर सकते है। हालांकि, अधिकांश भक्त अनुष्ठान पूजा के बाद अनंत चतुर्दशी के दिन गणेश जी की प्रतिमा का विसर्जन कर बप्पा की विदाई करते है।

गणपति स्थापना में कलश क्यों है जरूरी? कौन सी 7 चीजें रखते हैं कलश में

गणेश चतुर्थी का पर्व भगवान गणेश के जन्मोत्सव के रूप में पूरे देश में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है. इस दिन घरों और पंडालों में विधि-विधान से गणपति की स्थापना की जाती है. इस बार गणेश चतुर्थी का पर्व 14 सितंबर दिन सोमवार को मनाया जाएगा. हर साल भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को घरों और पंडालों में गणेशजी की स्थापना की जाती है और पर्व की शुरुआत हो जाती है. 10 दिन तक चलने वाले इस पर्व का समापन भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि वाली अनंत चतुर्दशी के दिन गणेश विसर्जन के साथ हो जाता है. गणपति स्थापना की पूजा में मूर्ति के साथ कलश स्थापना का भी विशेष महत्व माना गया है. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कलश को शुभता, समृद्धि और पवित्रता का प्रतीक माना जाता है. भगवान गणेश को विघ्नहर्ता और मंगलकर्ता कहा जाता है. मान्यता है कि किसी भी शुभ कार्य से पहले गणेशजी की पूजा करने से कार्य में आने वाली बाधाएं दूर होती है और सफलता का मार्ग प्रशस्त होता है. गणेश चतुर्थी पर घर में गणपति की स्थापना करना श्रद्धालुओं के लिए भगवान के स्वागत का प्रतीक है. पूजा के दौरान भक्त भगवान गणेश को दूर्वा, मोदक, लड्डू और लाल फूल अर्पित करते है. इसके बाद आरती और मंत्र-जाप किया जाता है. गणपति स्थापना केवल धार्मिक अनुष्ठान ही नहीं, बल्कि परिवार में सुख-शांति, सद्भाव और सकारात्मक ऊर्जा की कामना से जुड़ी परंपरा भी है.

क्यों जरूरी माना जाता है कलश?

हिंदू पूजा पद्धति में कलश को देवताओं का प्रतीक माना जाता है. गणेशजी की स्थापना से पहले पूजा स्थल की शुद्धि करके कलश स्थापित किया जाता है. सामान्यतः मिट्टी, तांबे या पीतल के कलश में जल भरकर उसके ऊपर आम या अशोक के पत्ते और नारियल रखा जाता है. मान्यता है कि कलश में जल जीवन और ऊर्जा का प्रतीक है, जबकि नारियल पूर्णता और शुभता का प्रतीक माना जाता है. कलश की स्थापना से पूजा स्थल को पवित्र और सकारात्मक बनाने की परंपरा है. गणेश चतुर्थी पर गणपति स्थापना के दौरान कलश को भगवान गणेश के समीप रखा जाता है. कई परिवारों में कलश को पूजा की शुरुआत में स्थापित किया जाता है और इसके बाद गणे जी का आह्वान, संकल्प और पूजन किया जाता है. धार्मिक दृष्टि से यह पूरी पूजा को शुभ आधार प्रदान करने वाली परंपरा मानी जाती है.

कलश में रखी जाने वाली 7 चीजें

स्वच्छ जल, अक्षत यानी चावल, सुपारी, सिक्का, गंगाजल, आम या अशोक के पत्ते, नारियल

गणेश स्थापना के लिए कैसे रखें कलश

धार्मिक मान्यताओं में कलश को मंगल, शुभता और पवित्रता का प्रतीक माना जाता है. गणेश स्थापना के समय पूजा स्थल को साफ करके चौकी पर कलश रखें. हमेशा गणेश स्थापना से पहले पूजा स्थल की शुद्धि करके कलश की स्थापना की जाती है. कलश में शुद्ध जल भरें और उसमें अक्षत, गंगाजल, सुपारी व सिक्का डालें. कलश के मुख पर आम या अशोक के पत्ते रखें और ऊपर नारियल स्थापित करें. कलश के पास भगवान गणेश की मूर्ति रखें. इसके बाद कलश और गणपति का विधिवत पूजन करें. हालांकि कलश स्थापना की विधि और उसमें रखी जाने वाली सामग्री अलग-अलग क्षेत्रों और परिवारों की धार्मिक परंपराओं के अनुसार थोड़ी अलग हो सकती है. इस प्रकार कलश और गणपति स्थापना का संबंध पूजा की पवित्रता, शुभता और मंगलकामना से जुड़ा हुआ है. मान्यता है कि श्रद्धा और विधि-विधान से की गई गणेश पूजा से भगवान गणेश प्रसन्न होते है और भक्तों के जीवन से विघ्न दूर करते है.

गणपति बप्पा की पूजा करने से मिलते हैं ये लाभ, पूरी होती है सारी मनोकामना

हमारे देश में आजकल पूजा-पाठ भी सुविधा के अनुकूल हो गई है। पहले आराधना का अर्थ सर्वोच्च शक्ति को याद करते हुए मंत्रों और अनुष्ठानों में पूरे दिल और आत्मा से लगना होता था। लेकिन समय के साथ जैसे-जैसे तकनीकी छलांग बढ़ती जा रही है, देवताओं की पूजा की पूरी अवधारणा में व्यापक बदलाव आया है। आज लोगों को दूसरों से बात करते, टीवी देखते और यहां तक कि खाते या पीते हुए भी अपने देवता के नाम का जाप करते देखा जा सकता है। यह सब आज लोगों की पूजा का तरीका है।

बुद्धि- भगवान गणेश का हाथी वाला सिर ज्ञान का प्रतीक है। इसलिए अगर आप गणेश की पूजा करती है तो आप जानबूझकर या अवचेतन रूप से ज्ञान प्राप्त कर सकती है। अगर आपने भगवान गणेश को अपने सर्वोच्च देवता के रूप में पूजा करने के लिए चुना है तो इसका मतलब है कि आपको उनकी शक्तियों में से एक के रूप में ज्ञान पसंद है। इस प्रकार रोजाना भगवान गणेश की पूजा करना जीवन की आपकी सर्वोच्च प्राथमिकताओं की याद दिलाता है और आप ज्ञान प्राप्त करने के लिए इसका पीछा करते है।

सौभाग्य - ऐसा माना जाता है कि भगवान गणेश सौभाग्य और धन के देवता है। अगर आप उनकी भक्त बन जाती है और भाग्य को प्राप्त करने के लिए अपने दिल से काम करती है तो आप खाली हाथ नहीं लौटेंगी। आप समर्पण की एक उन्नत अवस्था प्राप्त करेंगी और अपने जीवन में धन और शक्ति की प्रचुरता की ओर आसानी से काम करेंगी। आपको बस अपने वास्तविक जीवन में उनके पाठों का पालन करना है। अगर आप अक्सर अपना आपा खो देती है तो धैर्य क्रोध को नियंत्रित करने की कुंजी है। भगवान गणेश के बड़े कान इस बात का प्रतीक है कि वह एक अच्छे श्रोता है और अगर आप खुद को उनके प्रति समर्पित करती है और अपने आंतरिक शक्ति पर ध्यान केंद्रित करती है तो आपमें धीरे-धीरे समान स्तर का धैर्य विकसित होता है। यह निश्चित रूप से आपको एक बेहतर इंसान बनने में मदद करेगा।

समृद्धि - हर कोई एक समृद्ध और हेल्दी जीवन का सपना देखता है और यह बहुत हद तक आपके द्वारा चुनी गई जीवनशैली पर निर्भर करता है। जब आपने भगवान गणेश को अपना देवता चुना और उन्हें अपनी पूजा अर्पित की, तो आप उत्साहपूर्वक सफलता प्राप्त करने की दिशा में काम करती है। आप खुद को दृढ़निश्चयी और आसानी से तैयार पाएंगी जो आपको आपकी भलाई की ओर ले जाएगा।

आपकी आत्मा शुद्ध होगी - भगवान गणेश में ध्यान और विश्वास करने से आप अपने आचरण में अंतर को नोटिस और शांति की भावना का अनुभव कर सकती है। ऐसा कहा जाता है कि जो कोई भी अपना जीवन उसके प्रति समर्पित करता है वह आत्मा को शुद्ध कर देते है क्योंकि आप अच्छे कार्यों पर ध्यान केंद्रित और अपने जीवन में नकारात्मकता को दूर करती है जिससे आपकी आत्मा शुद्ध होती है।

ज्ञानी बनेंगे है आप - भगवान गणेश सभी देवताओं में सबसे बड़े ज्ञानी माने जाते है। यह उनके सबसे मजबूत गुणों में से एक है। जब आप उसे आत्मज्ञान के एकमात्र मकसद से पूजती है तो आप खुद को रूपांतरित होते देखेंगी।

सभी बाधाएं होती हैं दूर

गणेशजी को विघ्नहर्ता माना जाता है। जब आप पूरे विश्वास के साथ भगवान गणेश की पूजा करते हैं तो वह आपका मार्गदर्शन करते है और आपको सभी चीजों से लड़ने का साहस प्रदान करते है। आप अपने डर पर विजय पाकर अपने जीवन की सभी बाधाओं को दूर कर सकती है। आप अपने अंदर छिपे गुणों को अनलॉक करती है और किसी भी मुश्किल स्थिति को आसानी से पार कर लेती है।

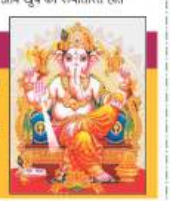

बीएमसी का वार्षिक कॉन्क्लेव कैंसर के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा: विष्णु देव साय

मुख्यमंत्री ने चौथे बीएमसी छत्तीसगढ़ कैंसर कॉन्क्लेव में सर्वाइकल कैंसर उन्मूलन कार्यक्रम का किया शुभारंभ

रायपुर । वेदांता मेडिकल रिसर्च फाउंडेशन की इकाई और मध्य भारत में कैंसर उपचार के प्रमुख केंद्र बालको मेडिकल सेंटर (बीएमसी) ने चौथे बीएमसी छत्तीसगढ़ कैंसर कॉन्क्लेव का शुभारंभ किया। 18 से 20 सितंबर तक नया रायपुर स्थित मेफेयर लेक रिजॉर्ट में आयोजित तीन दिवसीय कॉन्क्लेव में देश-विदेश के प्रमुख कैंसर विशेषज्ञ, चिकित्सक, शोधकर्ता और स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञ शामिल हुए।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने सर्वाइकल कैंसर उन्मूलन कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन के स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल और स्वास्थ्य विभाग के सचिव श्री अमित कटारिया, आईएएस भी उपस्थित रहे।

इस पहल का उद्देश्य जमीनी स्तर पर सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम और शुरुआती पहचान के लिए राज्य के प्रयासों को और मजबूत करना तथा भारत और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सर्वाइकल कैंसर उन्मूलन के व्यापक लक्ष्य में योगदान देना है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा, "सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम संभव है। हमारा संकल्प है कि हम सर्वाइकल कैंसर मुक्त छत्तीसगढ़ से सर्वाइकल कैंसर मुक्त भारत की ओर आगे बढ़ें। इस मिशन में बीएमसी का वार्षिक कॉन्क्लेव क्षेत्र में कैंसर उपचार के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा।"

छत्तीसगढ़ शासन के स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा, "यह उत्साहजनक है कि देश और दुनिया के प्रमुख कैंसर विशेषज्ञ और स्वास्थ्य क्षेत्र के विशेषज्ञ रायपुर में एक साथ आए हैं।"

'कैंसर उपचार में संतुलन की पुनर्स्थापना' विषय पर आयोजित कॉन्क्लेव में स्तन, स्त्री रोग संबंधी और मूत्र-जनन तंत्र के कैंसर के उपचार में सही विकल्प चुनने पर विशेष चर्चा हुई। इसमें आधुनिक चिकित्सा तकनीकों के साथ वैज्ञानिक प्रमाणों पर आधारित निर्णय, मरीज-केंद्रित उपचार, उपचार की किफायती पहुँच, रोकथाम और समान अवसर पर जोर दिया गया।

'कैंसर उपचार में संतुलन की पुनर्स्थापना' विषय पर 500 से अधिक राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय विशेषज्ञ और 11 अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ जुटे

बीएमसी ने एकैन्सर, टाटा मेमोरियल सेंटर और नेशनल कैंसर ग्रिड के सहयोग से आयोजित इस कॉन्क्लेव में 20 से अधिक विशेषज्ञ पैनल चर्चाएँ, सजीव सर्जिकल प्रदर्शन और विशेष व्यावहारिक कार्यशालाएँ आयोजित कीं। कॉन्क्लेव में 500 से अधिक राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय विशेषज्ञों तथा 11 अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों सहित सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ, शोधकर्ता और स्वास्थ्यकर्मी शामिल हुए।

कैंसर उपचार में उल्लेखनीय योगदान के लिए बीएमसी ने वेदावती अग्रवाल ऑरिशन अवॉर्ड से डॉ. रवि कन्नन को सम्मानित किया। उन्हें टिकाऊ और समान अवसर वाली कैंसर देखभाल तथा गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं को आगे बढ़ाने में उनके योगदान के लिए यह सम्मान दिया गया। यह ऑरिशन वेदांता मेडिकल रिसर्च फाउंडेशन की चेयरपर्सन श्रीमती ज्योति अग्रवाल ने अपनी माता और वेदांता के चेयरमैन श्री अनिल अग्रवाल की माता स्वर्गीय श्रीमती वेदावती अग्रवाल जी की स्मृति में शुरू किया है। इसका उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण और समान अवसर वाली कैंसर देखभाल को सभी तक पहुँचाने की साझा सोच को आगे बढ़ाना है।

डॉ. भावना सिरोही, मेडिकल डायरेक्टर, बालको मेडिकल सेंटर ने कहा, "बीएमसी में हमारा मानना है कि कैंसर की रोकथाम बीमारी का बोझ कम करने का एक प्रभावी तरीका है और केवल भौगोलिक दूरी के कारण किसी मरीज की गुणवत्तापूर्ण उपचार तक पहुँच प्रभावित नहीं होनी चाहिए। हमारा उद्देश्य मध्य भारत में ऐसी व्यापक कैंसर देखभाल व्यवस्था विकसित करना है, जहाँ मरीजों को अपने घर के करीब रोकथाम, जाँच, निदान, उपचार, पुनर्वास और सहायक सेवाएँ मिल सकें।

महिलाओं में होने वाले कैंसर के बेहतर उपचार पर केंद्रित चौथे बीएमसी छत्तीसगढ़ कैंसर कॉन्क्लेव में सर्वाइकल कैंसर मुक्त भारत की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को प्रमुखता दी गई। बीएमसी एचपीवी टीकाकरण कार्य₹ मों और सुलभ स्व-जाँच विधियों के माध्यम से सरकारी पहलों को सहयोग दे रहा है। उन्नत इंटरस्टिशियल ब्रैकीथेरेपी की शुरुआत के साथ बीएमसी उन्नत अवस्था के सर्वाइकल कैंसर के उपचार में बेहतर परिणामों की दिशा में काम कर रहा है।

महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़ी सांस्कृतिक संवेदनशीलताओं को ध्यान में रखते हुए बीएमसी का नया स्तन स्वास्थ्य क्लिनिक पूरी तरह महिला कैंसर विशेषज्ञों द्वारा संचालित है। कई स्थानीय महिलाएँ स्तन और स्त्री रोग संबंधी जाँच के लिए महिला चिकित्सकों को प्राथमिकता देती हैं। यह विशेष टीम महिलाओं को गोपनीय, सहज और सहयोगपूर्ण वातावरण उपलब्ध कराती है, जिससे वे जाँच के लिए आगे आने के लिए प्रोत्साहित हों।"

स्थानीय जरूरतों के अनुरूप शोध के महत्व पर डॉ. दिवाकर पांडे, कंसल्टेंट सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट, बालको मेडिकल सेंटर ने कहा, "कैंसर उपचार की प्रभावी और टिकाऊ रणनीति तैयार करने में शोध की महत्वपूर्ण भूमिका है। यह देखकर खुशी होती है कि युवा कैंसर विशेषज्ञ अपने मरीजों और समुदायों की स्थानीय जरूरतों से जुड़े शोध में बढ़-चढ़कर भाग ले रहे हैं। ऐसे शोध से रोकथाम और उपचार की ऐसी रणनीतियाँ विकसित करने में मदद मिल सकती है, जो प्रभावी होने के साथ किफायती और स्थानीय जरूरतों के अनुरूप हों।"

कॉन्क्लेव में वूमेन फॉर ऑन्कोलॉजी (डब्ल्यू4ओ) का आयोजन भी हुआ। यह महिला कैंसर विशेषज्ञों के बीच सहयोग, मार्गदर्शन और नेतृत्व को बढ़ावा देने वाला मंच है।

अकादमिक कार्य₹ मों के साथ बीएमसी ने 'कैनवास फॉर 'ए' लाइफ' कला एवं विरासत प्रदर्शनी भी आयोजित की। इसका उद्देश्य बीएमसी चैरिटेबल फंड के माध्यम से मरीजों को उपचार, जाँच और पोषण के लिए आर्थिक सहायता के साथ उपचार के दौरान आवास और अन्य आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराना है। कॉन्क्लेव का समापन क्षेत्र में कैंसर की रोकथाम को जनस्वास्थ्य की प्राथमिकता बनाने के संकल्प के साथ हुआ।

बच्चों में पारिवारिक संबंधों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

रायपुर/बच्चों के व्यक्तित्व, भावनात्मक विकास और पारिवारिक संबंधों को बेहतर बनाने के उद्देश्य से प्रोगेसिव यूटिलाइजेशन आफ रिसर्च एंड इकानामी (पूरे) द्वारा महाराणा प्रताप स्कूल, भाटागांव, ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजित किया। कार्य₹ म के मुख्य वक्ता डॉ. सत्यजीत साहू, एम डी गुडविल हास्पिटल ने अपने संबोधन में कहा कि "बच्चों का विकास केवल उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों से नहीं, बल्कि उनके साथ बने भावनात्मक संबंध, संवाद, विश्वास और पारिवारिक वातावरण से भी निर्धारित होता है। उन्होंने आगे कहा कि आज के समय में माता-पिता के सामने बच्चों को अनुशासित करने के साथ-साथ उनकी भावनाओं, जिज्ञासाओं और स्वतंत्र सोच को समझने की चुनौती है।

प्रशिक्षण में सकारात्मक पालन-पोषण, बच्चों को सुनना और समझना, प्रभावी संवाद, भावनात्मक सुरक्षा, अनुशासन तथा माता-पिता और बच्चों के बीच स्वस्थ संबंध जैसे विषयों पर चर्चा की गई। प्रतिभागियों के साथ संवादात्मक गतिविधियों और व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से यह समझाने का प्रयास किया गया कि माता-पिता का व्यवहार बच्चों के आत्मविश्वास और व्यक्तित्व निर्माण को किस प्रकार प्रभावित करता है।

कार्य₹ म का संचालन 'पूरे' की अध्यक्ष श्रीमती स्वाति देवांगन ने किया। कार्य₹ म संयोजक एडवोकेट संतोष ठाकुर, सुनील शर्मा, सूरज दुबे एवं डॉ. संगीता कौशिक की महत्वपूर्ण भूमिका रही। स्कूल के

रितेश्वरानंद अवधूत, के. पी. सिंह, कमलेश चंद्र, होनेशा ठाकुर, संस्कृति सिंह, जिज्ञासा साहू, श्रेया ठाकुर एवं गुलशन मानसरोवर सहित अन्य प्रतिभागियों ने सहभागिता रही। कार्य₹ म के अंत में महाराणा प्रताप स्कूल की प्राचार्या भारती ठाकुर ने आभार व्यक्त किया।

संगीत-कला से पीढ़ियों को जोड़ रहा चक्रधर समारोह: मंत्री नेताम

रायपुर। 41वें चक्रधर समारोह की पांचवीं सांस्कृतिक संध्या में छत्तीसगढ़ शासन के कृषि मंत्री एवं रायगढ़ जिले के प्रभारी मंत्री श्री रामविचार नेताम शामिल हुए। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर भगवान श्री गणेश की पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इसके बाद महाराजा चक्रधर सिंह के छायाचित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किए और दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री श्री नेताम ने कहा कि चक्रधर समारोह कला के माध्यम से लोगों को जोड़ने वाला ऐसा मंच है, जहां कला प्रेमी, कलाकार और कला साधक एक साथ आते हैं। उन्होंने रायगढ़ के उन कला प्रेमियों और श्रोताओं को नमन किया, जो पूरी रात बैठकर विभिन्न प्रस्तुतियों का आनंद लेते हैं। उन्होंने कहा कि कला के प्रति रायगढ़ की यह निरंतर रुचि और समर्पण समारोह की विशेष पहचान है।

महाराजा चक्रधर सिंह की कला साधना को किया याद

प्रभारी मंत्री श्री नेताम ने कहा कि स्वर्गीय महाराजा चक्रधर सिंह ने संगीत और कला के माध्यम से रायगढ़ घराने की पहचान को देश के विभिन्न हिस्सों तक पहुंचाया। विशेष रूप से कथक नृत्य के क्षेत्र में उनके योगदान ने रायगढ़ को देश और दुनिया में अलग पहचान दिलाई। उनकी कला साधना से प्रेरित होकर चक्रधर समारोह आज भी कला की इस परंपरा को आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि महाराजा चक्रधर सिंह की स्मृति में आयोजित यह समारोह केवल प्रस्तुतियों का मंच नहीं है, बल्कि कला और संस्कृति की परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का माध्यम भी है। समारोह में प्रदेश के साथ देश के अलग-अलग क्षेत्रों से कलाकार शामिल होकर अपनी कला का प्रदर्शन कर रहे हैं।

पांचवें दिन के कलाकारों का किया सम्मान

मंत्री श्री नेताम ने पांचवें दिन प्रस्तुति देने वाले कलाकारों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने कलाकारों को उनकी प्रस्तुतियों के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कलाकारों की साधना और कला प्रेमियों की सहभागिता से ही ऐसे आयोजन निरंतर आगे बढ़ते हैं। प्रभारी मंत्री ने कला प्रेमियों से समारोह में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर कलाकारों का उत्साह बढ़ाने और अपनी सांस्कृतिक परंपराओं को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद श्री देवेंद्र प्रताप सिंह, श्री अरुणधर दीवान, श्री श्रीकांत सोमावार, श्री सुभाष पाण्डेय, कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री शशि मोहन सिंह सहित जनप्रतिनिधि, जिला प्रशासन एवं पुलिस के अधिकारी, कलाकार और बड़ी संख्या में कला प्रेमी उपस्थित रहे।

अग्रसेन जयंती पर छत्तीसगढ़ में रहेगा शासकीय अवकाश

अंबिकापुर में आयोजित "अग्र महाकुंभ 2026" के मंच से मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने की ऐतिहासिक घोषणा

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन द्वारा श्री अग्रवाल सभा अंबिकापुर एवं सरगुजा संभागीय अग्रवाल महासभा के आतिथ्य में आयोजित भव्य फ्रअग्र महाकुंभ 2026– सेवा, शक्ति और सामर्थ्य का संगमफ्र के उद्घाटन सत्र में प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने अग्रवाल समाज को ऐतिहासिक सौगात प्रदान की। मुख्यमंत्री ने समाज के आराध्य भगवान श्री अग्रसेन जी की जयंती पर छत्तीसगढ़ में शासकीय अवकाश घोषित करने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री की इस घोषणा से पूरा सभागार हर्ष और उत्साह से गूंज उठा। प्रदेशभर से आए अग्रवाल समाज के हजारों प्रतिनिधियों ने करतल ध्वनि के साथ मुख्यमंत्री का अभिनंदन करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया।

मुख्य अतिथि की आसंदी से मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि अग्रवाल समाज ने सदैव सेवा, सहयोग, समानता, सामाजिक समरसता और उद्यमिता के आदर्शों को आत्मसात करते हुए प्रदेश एवं राष्ट्र के विकास में उल्लेखनीय योगदान दिया है। भगवान श्री अग्रसेन जी के महान सिद्धांत आज भी समाज को परस्पर सहयोग, मानवता और अंत्योदय की प्रेरणा प्रदान करते हैं। इन्हीं आदर्शों तथा अग्रवाल समाज की भावनाओं का सम्मान करते हुए अब प्रत्येक वर्ष अग्रसेन जयंती पर छत्तीसगढ़ में शासकीय अवकाश रहेगा।

समाज की बहुप्रतीक्षित मांग हुई पूरी–डॉ. अशोक अग्रवाल

छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. अशोक अग्रवाल ने मुख्यमंत्री की घोषणा का स्वागत करते हुए कहा कि यह पूरे अग्रवाल समाज के लिए ऐतिहासिक, गौरवपूर्ण एवं भावनात्मक क्षण है। अग्रसेन जयंती पर शासकीय अवकाश समाज की लंबे समय से चली आ रही बहुप्रतीक्षित मांग थी, जिसे मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने पूरा कर समाज का हृदय जीत लिया है।

समाज की बहुप्रतीक्षित मांग पूरी; अग्रवाल समाज ने करतल ध्वनि से किया स्वागत

उन्होंने कहा, "माननीय मुख्यमंत्री जी ने अग्र महाकुंभ में पधारकर न केवल आयोजन की गरिमा बढ़ाई, बल्कि भगवान श्री अग्रसेन जी के आदर्शों और अग्रवाल समाज के सामाजिक योगदान को सम्मान देते हुए यह ऐतिहासिक घोषणा की। छत्तीसगढ़ का संपूर्ण अग्रवाल समाज मुख्यमंत्री जी एवं राज्य शासन का हृदय से अभिनंदन और आभार व्यक्त करता है।"

मुख्यमंत्री की घोषणा से समाज में हर्ष की लहर

श्री अग्रवाल सभा अंबिकापुर के अध्यक्ष श्री संजय मित्तल एवं सरगुजा संभागीय अग्रवाल महासभा के अध्यक्ष श्री पवन अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री का अग्र महाकुंभ में आगमन और अग्रसेन जयंती पर शासकीय अवकाश की घोषणा पूरे समाज के लिए अविस्मरणीय उपलब्धि है। इस निर्णय से छत्तीसगढ़ के अग्रवाल समाज में हर्ष और उत्साह की लहर है।

उन्होंने कहा कि राज्य शासन की यह घोषणा अग्रवाल समाज के सेवा कार्यों, समर्पण, उद्यमशीलता एवं प्रदेश के विकास में निभाई जा रही महत्वपूर्ण भूमिका के प्रति सम्मान की भावना को प्रदर्शित करती है। इससे नई पीढ़ी को भगवान श्री अग्रसेन जी के जीवन-दर्शन, सिद्धांतों एवं महान सामाजिक योगदान को जानने और उनसे जुड़ने की प्रेरणा मिलेगी।

गरिमामयी उपस्थिति में हुई ऐतिहासिक घोषणा

अग्र महाकुंभ के उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री कुलभूषण मित्तल ने की। कार्यक्रम के संरक्षक छत्तीसगढ़ शासन के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल रहे।

इस ऐतिहासिक अवसर पर छत्तीसगढ़ विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष श्री गौरीशंकर अग्रवाल, पूर्व कैबिनेट मंत्री श्री अमर अग्रवाल, बसना विधायक श्री संपत अग्रवाल, अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन के राष्ट्रीय संरक्षक श्री सियाराम अग्रवाल, राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारी, विभिन्न अग्रवाल सभाओं के प्रतिनिधि तथा प्रदेशभर से पधारे हजारों समाजबंधु उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन के प्रांतीय महामंत्री श्री संजय अग्रवाल, प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री नंदकिशोर 'नंदू' अग्रवाल, सरगुजा संभागीय अग्रवाल महासभा के महामंत्री श्री सुनील 'बॉबी' अग्रवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री सुभाष गोयल,, कार्यक्रम संयोजक श्री कन्हैयालाल अग्रवाल, सुनील अग्रवाल बॉबी सहित छत्तीसगढ़ की 62 अग्रवाल सभा से आए हुए पदाधिकारी गण नेसभी पदाधिकारियों एवं आयोजन समिति के सदस्यों ने मुख्यमंत्री की घोषणा का स्वागत करते हुए राज्य शासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि भगवान श्री अग्रसेन जी केवल अग्रवाल समाज के आराध्य ही नहीं, बल्कि सेवा, समानता, अहिंसा, परस्पर सहयोग, सामाजिक न्याय और समरसता की महान परंपरा के प्रतीक हैं। उनकी जयंती पर शासकीय अवकाश की घोषणा उनके आदर्शों एवं राष्ट्र निर्माण में अग्रवाल समाज के योगदान के प्रति राज्य शासन के सम्मान की अभिव्यक्ति है।

अग्र महाकुंभ में उपस्थित समस्त समाजजनों ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का करतल ध्वनि से अभिनंदन करते हुए इस ऐतिहासिक निर्णय के लिए हृदय से धन्यवाद ज्ञापित किया।

बड़े भैय्या

अश्वनी शर्मा जी

को जन्मदिन पर

हार्दिक बधाई...

17 सितंबर

आप सदैव स्वस्थ्य रहें,
सुखी रहे, दीर्घायु हो
और आपके नेतृत्व में भाटपारा नगर
का निरंतर विकास होता रहे।

अश्वनी शर्मा
अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद, भाटापारा

संतोष साहू

आनंद साहू

राम काछेला

खिलावन साहू

गब्बर पंजवानी

जानी साहू

शेरू साहू

उतम सोनी (सोनू)

आभार...

मेरे जन्मदिन पर आप सभी के द्वारा विभिन्न माध्यमों से मिले असीम स्नेह, आशीर्वाद और मंगलकामनाओं के लिए मैं सहृदय कृतज्ञता व्यक्त करता हुं। आपका यही अपनत्व और विश्वास मेरी असली पूंजी है जो मुझे जनसेवा करने की नई ऊर्जा देता है।
आपका यह साथ, सहयोग और स्नेहिल आशीर्वाद हमेशा इसी तरह बना रहे।

धन्यवाद...

17 सितंबर

विनित :- भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा शहर मण्डल भाटापारा

संकलनकर्ता- संतोष कुमार साहू भाटापारा ब्यूरोचीफ क्रांतिरथ छत्तीसगढ़
समाचार,विज्ञापन एवं अखबार की प्रतियों के लिए संपर्क करें। मो. 9827916119

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी : नारायण भूषणिया द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड प्लाट नंबर-40/44 इंडस्ट्रीयल एरिया बीरगांव उरला रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कराकर एच.डी.डी./49, फेस-2 मेन रोड, कबीर नगर रायपुर से प्रकाशित, संपादक-नारायण भूषणिया मो.नं. 09300491602, RNI पंजीयन क्रमांक: CHHHIN/2010/34778, Email ID- krantirath.cg@gmail.com, / web- www.krantirath.com